सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

राजधानी चौपाल
समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...
94169-26329
93068-13001

अंक : 08 | वर्ष : 01 | साप्ताहिक (22 से 28 फरवरी 2026) | पृष्ठ 8 | मूल्य : 5/- रुपये | E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

"अदालतें देश के लिए कलंक" : फैसले से भड़के ट्रम्प ने दी सीधी चुनौती; 24 फरवरी से लागू होगी नई दरें

डोनाल्ड ट्रम्प बनाम सुप्रीम कोर्ट

जजों ने रद्द किए टैरिफ तो राष्ट्रपति ने 24 घंटे में बदला कानून, अब दुनिया पर ठोका 15% टैक्स

वॉशिंगटन डीसी/नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका में इस वक्त एक ऐसा संवैधानिक और आर्थिक भूचाल आया है, जिसकी तपिश भारत समेत पूरी दुनिया महसूस कर रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के बीच 'शक्तियों के बंटवारे' को लेकर ठन गई है। महज 24 घंटे के भीतर ट्रम्प ने न्यायिक आदेश को चुनौती देते हुए न केवल नया कानून लागू किया, बल्कि ग्लोबल टैरिफ को 10% से बढ़ाकर 15% कर दिया है। इसे आधुनिक इतिहास में किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा न्यायपालिका के खिलाफ सबसे आक्रामक आर्थिक कदम माना जा रहा है।

24 घंटे का हाई-वोल्टेज ड्रामा: कोर्ट का 'नो' और ट्रम्प का 'गो' : शुक्रवार की सुबह अमेरिका के लिए एक बड़ी खबर लेकर आई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से ट्रम्प के उन टैरिफ को 'अवैध' घोषित कर दिया, जो उन्होंने पद संभालते ही पूरी दुनिया पर थोप दिए थे। कोर्ट का तर्क था कि राष्ट्रपति को आपातकालीन शक्तियों (IEEPA) के तहत टैक्स लगाने का अधिकार नहीं है, यह केवल संसद (कांग्रेस) का विशेषाधिकार है। लेकिन, ट्रम्प हार मानने वालों में से नहीं थे। शुक्रवार रात उन्होंने 10% टैरिफ की घोषणा की और शनिवार होते-होते इसे 15% तक पहुँचा दिया। ट्रुथ सोशल पर उनकी पोस्ट ने साफ कर दिया कि वे कोर्ट के फैसले को 'रद्दी की टोकरी' में फेंक चुके हैं।

200 अरब डॉलर का 'सस्पेंस' और रिफंड की जंग : सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद उन हजारों कंपनियों में खुशी की लहर थी, जिन्होंने पिछले एक साल में 200 अरब डॉलर (करीब 16 लाख करोड़ रुपये) टैरिफ के रूप में चुकाए थे। उन्हें लगा था कि अब पैसा वापस (रिफंड) मिलेगा। लेकिन ट्रम्प ने इस पर पानी फेर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी सरकार किसी भी कंपनी को एक पैसा भी वापस नहीं करेगी। अब यह $200 बिलियन का मुद्दा अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा कॉर्पोरेट कानूनी विवाद बनने जा रहा है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर मंडराता 'ट्रेड वॉर' का साया : विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रम्प के इस कदम से दुनिया के अन्य देश भी 'जैसे को तैसा' (TIT-FOR-TAT) की नीति अपना सकते हैं। यूरोप और चीन की प्रतिक्रिया: यदि यूरोपीय संघ और चीन ने भी अमेरिकी सामानों पर टैक्स बढ़ाया, तो वैश्विक महंगाई चरम पर पहुँच सकती है। चूंकि यह कानून सिर्फ 150 दिनों के लिए प्रभावी है, इसलिए दुनिया भर के व्यापारियों की नजरें इस बात पर हैं कि क्या अमेरिकी संसद (कांग्रेस) इसे आगे बढ़ाने की मंजूरी देगी?

जजों पर बरसे ट्रम्प: 'देश के लिए कलंक हैं ये अदालतें'

- राजधानी चौपाल के सूत्रों के अनुसार, ट्रम्प इस फैसले से बेहद आहत और गुस्से में हैं। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जजों की गरिमा पर सीधे सवाल उठाए।
- **न्यायपालिका की आलोचना:** ट्रम्प ने कहा, "मुझे कुछ जजों पर शर्म आती है। वे हमारे देश के लिए कलंक हैं।"
- **विदेशी ताकतों का प्रभाव:** उन्होंने आरोप लगाया कि कोर्ट के फैसले पर विदेशी ताकतों का असर है जो अमेरिका को कमजोर देखना चाहती हैं।
- **दो साल की कानूनी जंग:** ट्रम्प ने चेतावनी दी कि यह मामला अब थमेगा नहीं, बल्कि अगले दो साल तक अदालतों में खिंचेगा।

'सेक्शन 122': ट्रम्प का वह ब्रह्मास्त्र जो 55 साल बाद निकला

- जब सुप्रीम कोर्ट ने IEEPA कानून का रास्ता बंद किया, तो ट्रम्प की कानूनी टीम ने ट्रेड एक्ट 1974 के 'सेक्शन 122' का सहारा लिया।
- **क्या है सेक्शन 122** : यह कानून राष्ट्रपति को अधिकार देता है कि यदि देश का 'बैलेंस ऑफ पेमेंट' (व्यापार घाटा) बिगड़ रहा हो, तो वे बिना संसद की मंजूरी के 150 दिनों के लिए 15% तक टैरिफ लगा सकते हैं।
- **ऐतिहासिक संदर्भ:** इसका इस्तेमाल आखिरी बार 1971 में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने किया था। 55 साल बाद ट्रम्प ने इस 'सोते हुए कानून' को जगाकर पूरी दुनिया को चौंका दिया है।

भारत के लिए राहत: 'दोस्ती' के आगे टैरिफ का पहरा नहीं

वैश्विक व्यापार की इस उठापटक के बीच भारत के लिए एक सुकून भरी खबर आई है। ट्रम्प ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में विशेष रूप से भारत का जिक्र किया।

- **मोदी फैक्टर:** ट्रम्प ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं। भारत के साथ हुई हमारी ट्रेड डील में कोई बदलाव नहीं होगा।"
- **रूसी तेल का जिक्र:** हालांकि कोर्ट के जजों ने रूसी तेल खरीद पर सवाल उठाए थे, लेकिन ट्रम्प प्रशासन ने साफ कर दिया है कि भारत के साथ रणनीतिक संबंधों को व्यापारिक विवादों से अलग रखा जाएगा।

किन सामानों पर गिरेगी बिजली और किसे मिलेगी ढाल?

ट्रम्प का यह 15% ग्लोबल टैरिफ 24 फरवरी से प्रभावी होगा। हालांकि, उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण सेक्टर को इससे बाहर रखा है ताकि अमेरिका के भीतर महंगाई न बढ़े:

छूट की श्रेणी: दवाइयां, महत्वपूर्ण खनिज (Critical Minerals), बीफ, टमाटर, संतरा और कुछ चुनिंदा इलेक्ट्रॉनिक्स को इस टैक्स की मार से बचाया गया है।

बाकी सब पर प्रहार: इसके अलावा चीन, यूरोप और अन्य देशों से आने वाले स्टील, एल्युमीनियम और लग्जरी सामानों पर बोझ बढ़ना तय है।

मंदिरों से निकलकर ब्रज की गलियों में होली लया उत्सव 24 से, बरसाना में लट्ठमार होली 25 को

मथुरा (राजधानी चौपाल) | ब्रज में होली का खुमार हर दिन बढ़ता जा है। वसंत पंचमी से शुरू हुआ होली उत्सव जो अभी तक मंदिर परिसरों तक सीमित था, 24 फरवरी से गलियों-चौबारों में उतर आएगा।

अभी तक मंदिरों में होली के रसिया व धमार गायन हो रहा था लेकिन मंगलवार को बरसाना में लड्डू होली के साथ रंगोत्सव का नया चरण शुरू होगा जब ब्रज के मंदिरों के अंदर से बाहर तक गुलाल उड़ेगा और रंग बरसेगा। वसंत पंचमी से अब तक रोज ठाकुरजी (गर्भगृह में विराजमान विग्रह) के कपोलों पर गुलाल लगाया जा रहा था लेकिन अब सभी मंदिरों में टेसू के फूलों को उबालकर गीला रंग तैयार हो रहा है, गुलाल के बोरे मंगाए जा रहे हैं। 25 को बरसाना में लट्ठमार होली है, जबकि अगले दिन 26 को नंदगांव में लट्ठमार होली होगी। 27 से मथुरा के द्वारकाधीश मंदिर व कृष्ण जन्मस्थान सहित सभी मंदिरों में विराजमान ठाकुरजी के कमर में गुलाल से भरा फेंटा बांध दिया जाएगा जो इस बात का संकेत है कि अब होली जलने तक अनवरत गुलाल व रंग उड़ता रहेगा।

गीली होली चार दिन रहेगी सामान्य रूप से गीले रंगों की होली पांच दिन होती है लेकिन इस बार यह चार दिन होगी। 3 मार्च को फाल्गुन पूर्णिमा के दिन चंद्रग्रहण होने से सुबह 9 बजकर 5 मिनट पर सूतक काल की शुरुआत में मंदिरों के पट बंद हो जाएंगे और फिर शाम को चंद्र ग्रहण समाप्त होने के बाद बेहद सीमित अवधि के लिए खुलेंगे। ब्रज में रिवाज है कि ग्रहण शुरू होने के 9 घंटे पहले मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाते हैं।

प्रमुख पड़ाव : 24 फरवरी: नंदगांव में फाग आमंत्रण, बरसाना में लड्डू होली 25- बरसाना में लट्ठमार होली26 नंदगांव व रावल में लट्ठमार होली 27 मथुरा के मंदिरों में उत्सव 1 मार्च: गोकुल में छड़ीमार होली 3 मार्च : मथुरा में चतुर्वेदी समाज का डोला 4 मार्च : ब्रज में धुलेंडी 5 मार्च : दाऊजी व जाव का हुरंगा 6 मार्च : बठैन का हुरंगा

एआई पर भारत का दबदबा

86 देशों ने स्वीकारा मोदी का 'मानव-केंद्रित' विजन

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026' के समापन पर घोषणा की है कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की तकनीकी नीति और दूरदर्शी सोच को ऐतिहासिक पहचान मिली है। समिट के अंतिम दिन 86 देशों और दो अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने 'नई दिल्ली एआई घोषणापत्र' पर अपनी मुहर लगाई जिसका मुख्य उद्देश्य एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण करना और इस उभरती तकनीक पर किसी भी देश या कंपनी के एकाधिकार को पूरी तरह समाप्त करना है।

आईटी मंत्री ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत को अब पूरी दुनिया ने अपना लिया है और अमेरिका, चीन, यूके, कनाडा तथा जर्मनी जैसे प्रमुख राष्ट्र भारत के उस विजन पर सहमत हुए हैं जो एआई के इस्तेमाल को मानव कल्याण, पृथ्वी की सुरक्षा और साझा प्रगति के सूत्रों से जोड़ता है। भारत के लिए यह समिट आर्थिक मोर्चे पर भी अत्यंत सफल साबित हुई है क्योंकि वैश्विक कंपनियों ने देश में एआई आधारित आधारभूत ढांचे के विकास के लिए 250 अरब डॉलर के भारी-भरकम निवेश

प्रस्ताव दिए हैं। इस सम्मेलन के दौरान लोकतांत्रिक एआई चार्टर और भरोसेमंद एआई कॉमन्स जैसी महत्वपूर्ण पहलों की नींव रखी गई ताकि एआई टूल्स और मानकों तक सबकी सस्ती पहुंच सुनिश्चित हो सके और सुरक्षित सिस्टम का विकास किया जा सके।

साथ ही वैश्विक कार्यबल को तैयार करने के लिए डिजिटल साक्षरता और री-स्किलिंग सिद्धांतों पर भी सहमति बनी है ताकि नई अर्थव्यवस्था के लिए युवाओं को तैयार किया जा सके। समिट के दौरान अश्विनी वैष्णव ने राजनीतिक विरोध की चर्चा करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन की कड़े शब्दों में निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने वाला कृत्य करार दिया। पांच दिनों तक चले इस वैश्विक महाकुंभ में 120 देशों के प्रतिनिधियों और 20 राष्ट्र प्रमुखों की भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब ग्लोबल एआई हब के रूप में स्थापित हो चुका है।

चारधाम यात्रा: 10 से 50 रु. तक लग सकता है पंजीकरण शुल्क

देहरादून | चार धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए इस साल पंजीकरण प्रक्रिया में बदलाव देखने को मिल सकता है। राज्य सरकार ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पर 10 से 50 रुपए तक शुल्क लगाने पर विचार कर रही है। हालांकि अभी अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है। चार धाम यात्रा प्रशासन के ओएसडी प्रजापति नौटियाल ने बताया, 'शुल्क लगाने का फैसला समिति की रिपोर्ट और सरकार की मंजूरी के बाद ही लिया जाएगा। फर्जी पंजीकरण रोकने के लिए स्टेकहोल्डर की ओर से शुल्क लगाने का सुझाव आया है। इससे वही लोग पंजीकरण कराएंगे, जो वास्तव में यात्रा का इरादा रखते हैं।' मालूम हो, पिछले वर्षों से अनावश्यक रजिस्ट्रेशन परेशानी बने हुए हैं। वहीं, अचानक बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ने से भी अव्यवस्था बढ़ जाती है।

केदारनाथ की पैदल यात्रा के दौरान हृदय की बीमारी से जूझ रहे श्रद्धालुओं की स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके लिए गुप्तकाशी से केदारनाथ तक 15 अस्पताल संचालित किए जाएंगे, जिनमें सीजनल एवं नियमित अस्पताल शामिल हैं। डॉक्टरों की तैनाती के साथ एक्स-रे, ईसीजी जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। गंभीर मरीजों को हेलीकॉप्टर एंबुलेंस से अस्पताल ले जाने की व्यवस्था भी बनाई जा रही है।

हिसार के विकास को लगेंगे 'पंख': अब मुकलान से तलवंडी राणा तक बनेगा 41 किमी लंबा होगा रिंग रोड

अलाइनमेंट बदलने से कॉलोनाइजरों की 'चांदी', लेकिन मुआवजे और निर्माण की बढ़ती लागत बनी बड़ी चुनौती

हिसार (राजधानी चौपाल) | हरियाणा के 'मैग्नेट सिटी' हिसार को जाम मुक्त करने का सपना अब एक बड़े वित्तीय और रणनीतिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने हिसार रिंग रोड प्रोजेक्ट के दायरे में बड़ा विस्तार करते हुए इसके बजट को लगभग दोगुना कर दिया है। जहाँ पहले इस परियोजना पर 1900 करोड़ रुपये खर्च होने थे, वहीं अब संशोधित अलाइनमेंट के बाद इसकी लागत बढ़कर 3400 करोड़ रुपये पहुँच गई है।

दायरा बढ़ने से बदली प्रोजेक्ट की सूरत : प्रोजेक्ट की कुल लंबाई को 25.3 किलोमीटर से बढ़ाकर अब 41 किलोमीटर कर दिया गया है। इस 15.7 किलोमीटर के अतिरिक्त विस्तार ने बजट में सीधे तौर पर 1500 करोड़ रुपये का इजाफा किया है। NHAI के अनुसार, लंबाई बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य शहर को एक 'पूर्ण बाईपास' देना है। नए नक्शे में अब मुकलान से तलवंडी राणा तक के हिस्से को विशेष रूप से शामिल किया गया है, जो राजगढ़ रोड और दिल्ली रोड जैसे प्रमुख मार्गों को आपस में जोड़ेगा।

मुआवजा और निर्माण लागत में भारी वृद्धि : प्रोजेक्ट का बजट बढ़ने का सबसे बड़ा कारण 667 एकड़ जमीन का अधिग्रहण है। नया अलाइनमेंट उन क्षेत्रों से होकर गुजर रहा है जहाँ पहले से ही आबादी बस चुकी है या नई कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। शहरी क्षेत्र के करीब होने के कारण जमीन की मुआवजा राशि कई गुना बढ़ गई है। इसके अलावा, बढ़ी हुई लंबाई के कारण फ्लाईओवर, अंडरपास और सर्विस रोड की संख्या में भी इजाफा हुआ है, जिसने निर्माण लागत को प्रभावित किया है।

कॉलोनाइजरों को लाभ के आरोप और जनता पर बोझ : इस विस्तार ने शहर में एक नई चर्चा को जन्म दे दिया है। आरोप लग रहे हैं कि रिंग रोड के अलाइनमेंट को उन क्षेत्रों की ओर मोड़ा गया है जहाँ बड़े कॉलोनाइजरों के प्रोजेक्ट्स हैं। इससे भू-माफियाओं को तो सीधा फायदा होगा, लेकिन परियोजना की बढ़ी हुई लागत का अंतिम बोझ टोल टैक्स के रूप में आम जनता की जेब पर ही पड़ेगा।

भविष्य की चुनौती: केंद्र से मंजूरी का इंतजार : NHAI के प्रोजेक्ट डायरेक्टर विपिन मंगला का कहना है कि 90% सर्वे कार्य पूरा हो चुका है और मार्च के अंत तक केंद्र सरकार से संशोधित बजट को हरी झंडी मिलने की उम्मीद है। हालांकि, बजट में 80% की भारी बढ़ोतरी के कारण 'फिजिबिलिटी रिपोर्ट' की दोबारा जांच हो सकती है, जिससे प्रोजेक्ट के अटकने की आशंका भी बनी हुई है।

हिसार शहर को होने वाले 5 बड़े फायदे

फायदा	प्रभाव का विवरण
जाम से पूर्ण मुक्ति	शहर के मुख्य बाजारों, बस स्टैंड और ऑटो मार्केट में भारी ट्रकों और ट्राले का प्रवेश 100% बंद हो जाएगा, जिससे स्थानीय यातायात सुगम होगा।
प्रदूषण में भारी कमी	प्रतिदिन हजारों भारी वाहनों के शहर के बाहर से गुजरने के कारण शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार होगा और ध्वनि प्रदूषण कम होगा।
समय की बचत	राजगढ़ से दिल्ली या सिरसा से चंडीगढ़ जाने वाले यात्रियों को शहर के भीड़भाड़ वाले रेड लाइट्स पर नहीं फंसना पड़ेगा, जिससे 30-45 मिनट की बचत होगी।
नई शहरी बसावट	रिंग रोड के किनारे व्यवस्थित तरीके से नए सेक्टर, अस्पताल और शिक्षण संस्थान विकसित होंगे, जिससे मुख्य शहर पर आबादी का दबाव कम होगा।
इकोनॉमिक कॉरिडोर	रिंग रोड के पास नए लॉजिस्टिक पार्क, वेयरहाउस और गोदाम बनेंगे, जिससे हिसार में हजारों नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे और व्यापार बढ़ेगा।

महंगाई के मोर्चे पर 'गुड न्यूज' : किचन से लेकर लग्जरी तक घटे दाम, साल 2026 में जेब पर कम होगा बोझ

आम आदमी को बड़ी राहत: सोना-चांदी से लेकर तेल-गैस तक सब होंगे सस्ते, कमोडिटी कीमतों में 62% तक की भारी गिरावट

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | इस साल लगभग हर चीज की महंगाई कम रह सकती है। सोना, चांदी, चाय, कॉफी, तेल-गैस समेत अधिकांश कमोडिटी में तेजी का दौर लगभग खत्म हो चुका है। विश्लेषकों का मानना है कि आगामी महीनों में इनकी कीमतें या तो स्थिर रहेंगी या और घटेंगी।

जनवरी के अंत में 52 सप्ताह के ऊंचे स्तर से अब तक कई वस्तुओं के दाम 62% तक घट चुके हैं। इसमें सोना, चांदी, प्लैटिनम के साथ-साथ गैस, कॉपर, जिंक, लेड, स्टील और पैलेडियम भी शामिल हैं। इसका असर गहनों के साथ ही सीएनजी, पेट्रोल-डीजल, गाड़ियों, वॉशिंग मशीन और एसी जैसे कंज्यूमर ड्यूरेबल्स की कीमतों पर भी पड़ेगा। कृषि जिंसों में कॉफी, मक्का, कॉटन, सोयाबीन, चीनी और गेहूं 2025 के 52 हफ्तों की ऊंचाई से 29% तक सस्ते हो चुके हैं। यानी किचन का बजट घटा है और ये सहूलियत आगे भी बने रहने की संभावना है।

कृषि जिंस: तेल, दालें, कॉफी चीन कम खरीद रहा, लिहाजा दाम कम : कमट्रेंड्ज के डायरेक्टर टी. ज्ञानशेखर ने कहा कि खाने के तेल, दालें, कॉफी जैसी कृषि जिंसों की कीमतें मुख्य रूप से चीन की खरीदारी न होने से घटी हैं। चीन की गैर-मौजूदगी ने अंतरराष्ट्रीय अनाज बाजार का सेंटिमेंट प्रभावित किया। पिछले 2-3 साल से किसानों को नुकसान हुआ है, इसलिए उत्पादन में कटौती हो सकती है, जो कीमतों को बैलेंस कर सकती है।

ईंधन: गैस 52 हफ्तों की ऊंचाई से 62%, कच्चे तेल के दाम 13% घटे : कच्चा तेल और गैस में हाल के महीनों में अन्य कमोडिटीज जैसी तेजी नहीं आई, इसलिए विश्लेषक इनकी कीमतों में दबाव में देख रहे हैं। हालांकि यदि भू-राजनैतिक तनाव बढ़ता है तो तेजी शुरू हो सकती है। बहरहाल 28 जनवरी, 2026 के प्राकृतिक गैस 7.83 डॉलर प्रति यूनिट के 52 हफ्तों की ऊंचाई से 62% टूटकर 16 फरवरी को 2.99 डॉलर पर आ गई। ब्रेंट क्रूड भी 78.31 डॉलर प्रति बैरल के ऊंचे स्तर से 13% गिरकर 68 डॉलर से नीचे आ गया है।

सराफा: सोना-चांदी 6 माह में कम से कम 10% और सस्ते हो सकते हैं

इक्विनॉमिक्स रिसर्च के फाउंडर और एमडी जी. चोक्कलिंगम ने कहा कि सोने-चांदी के साथ ही कॉपर जैसे इंडस्ट्रियल मेटल्स अत्यधिक अस्थिर रहेंगे। अगले 6 महीनों में इनके दाम कम से कम 10% और घट सकते हैं। वैश्विक आर्थिक विकास में मंदी, क्रिप्टोकरेंसी और टेक्नोलॉजी शेयरों में भारी गिरावट जैसे जोखिम कमोडिटी की कीमतों पर असर डाल सकते हैं।

क्या करें... निवेशकों के लिए मुनाफा काटना आदर्श रणनीति

- **सोना:** गोल्ड ने 1 साल में 100% छलांग लगाई, जबकि लंबी अवधि का औसत सालाना रिटर्न महज 6% है। चोक्कलिंगम ने कहा कि अभी मुनाफा काटना आदर्श रणनीति है।
- **तेल:** स्वतंत्र विश्लेषक अंबरीश बालिगा ने कहा कि 2026 में सप्लाई मांग ॐ से ज्यादा होने से कच्चे तेल के दाम गिर सकते हैं। अधिकांश कमोडिटीज में मौका चूकने के डर खत्म हो चुका अब हर तेजी पर बिकवाली होगी।

हरियाणा, पंजाब समेत 22 राज्यों में अप्रैल से एसआईआर; आयोग ने कहा- तैयारी करें

एसआईआर... देश के 40 करोड़ मतदाता इस चरण में कवर होंगे

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के देशव्यापी अभियान का अंतिम चरण शुरू होने जा रहा है। निर्वाचन आयोग ने पंजाब, तेलंगाना, दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक समेत 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे एसआईआर की तैयारी जल्द पूरी करें। यह प्रक्रिया अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर हो चुकी है। 12 में जारी है। 60 करोड़ वोटर्स कवर हो चुके हैं। शेष 40 करोड़ को इस अंतिम चरण में शामिल किया जाएगा।

जिन राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में यह चरण शुरू होना है, उनमें आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, त्रिपुरा, तेलंगाना, उत्तराखंड, दिल्ली, चंडीगढ़, दादरा एवं नगर हवेली-दमन दीव शामिल हैं। आयोग ने जून 2025 में देशभर में एसआईआर का आदेश दिया था। असम में विशेष पुनरीक्षण 10 फरवरी को पूरा हुआ। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में इस प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। विपक्षी दलों ने इस अभियान को लेकर सवाल भी उठाए हैं।

हरियाणा: एसआईआर से पहले 1.29 करोड़ वोटों का हो चुका मिलान; 604 अधिकारियों की टीम तैयार

चंडीगढ़ | हरियाणा में एसआईआर से पहले 19 फरवरी तक 1.29 करोड़ वोटर्स का मिलान किया जा चुका है। यह कुल 2.07 करोड़ वोटर्स का 62.58% है। फतेहाबाद जिले में सबसे अधिक 83.14% और दादरी में 81.19% वोटर्स का मिलान हो चुका है। फरीदाबाद में 27.97% और गुरुग्राम में 34.42% वोटर्स का ही मिलान हो पाया है। चुनाव आयोग की तरफ से एसआईआर से ठीक पहले प्रदेश में 604 अफसरों की टीम तैयार की गई है। इस टीम में एडीसी, एचसीएस, तहसीलदार व डीडीपीओ स्तर के अफसर शामिल हैं। टीम में 90 ईआरओ, 180 एईआरओ और 334 एडिशनल एईआरको शामिल किए गए हैं। इन्हें विधानसभा वाइज ड्यूटी सौंपी जाएगी। हर विधानसभा में 4 अफसर नियुक्त होंगे। चुनाव आयोग ने अपने स्तर पर सभी तरह की तैयारी कर ली है, एसआईआर अप्रैल में होगा।

रेवाड़ी जिला पुलिस के शस्त्रागार से 16 राइफल-पिस्टल गायब मिले, 500 रिफ्लेक्टर हुए बेकार

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा की ताजा राज्य वित्त लेखा परीक्षा रिपोर्ट (एसएफएआर) ने सरकारी विभागों में वित्तीय कुप्रबंधन और सुरक्षा चूक की एक डरावनी तस्वीर पेश की है। रेवाड़ी जिला पुलिस के शस्त्रागार से करीब 16 राइफल और पिस्टल गायब या चोरी पाए गए हैं। इसके अलावा फरीदाबाद पुलिस द्वारा खरीदे गए सैकड़ों रिफ्लेक्टर्स बिना इस्तेमाल के स्टोर में पड़े-पड़े कबाड़ हो रहे हैं।

लेखा परीक्षा रिपोर्ट के दौरान रेवाड़ी जिला पुलिस रिजर्व में हथियारों के स्टॉक और रिकॉर्ड के बीच भारी अंतर पाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार कई हथियार या तो चोरी हो गए हैं या बिना किसी ठोस आधिकारिक जानकारी के बदल दिए गए हैं। गायब हथियारों की सूची इस प्रकार है। इनमें एक प्वाइंट 303 राइफल, चार 410 मस्कट, आठ नौ एमएम की पिस्टल, एक सेल्फ लोडिंग राइफल और दो प्वाइंट 38 बोर रिवॉल्वर शामिल हैं। यह एक प्रशासनिक लापरवाही ही नहीं, बल्कि राज्य की सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा भी है।

फरीदाबाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठे हैं। विभाग ने सड़क सुरक्षा के लिए 500 रिफ्लेक्टर्स खरीदे थे, लेकिन लापरवाही का आलम यह है कि इन्हें कभी इस्तेमाल ही नहीं किया गया। उचित रखरखाव और उपयोग न होने के कारण ये उपकरण अब खराब होने की कगार पर हैं।

पौधरोपण के नाम पर 109 करोड़ का गोलमाल : रिपोर्ट में वन विभाग के कामकाज पर भी उंगली उठाई गई है। पौधरोपण और उससे जुड़े कार्यों के लिए विभिन्न एजेंसियों को 109.06 करोड़ का भुगतान कर दिया गया, लेकिन इसका कोई हिसाब-किताब नहीं है कि यह पैसा किस वन क्षेत्र में खर्च हुआ। न तो उचित निगरानी की गई और न ही संबंधित दस्तावेजों का रखरखाव किया गया। वन विभाग ने लकड़ी, जलाऊ लकड़ी और बांस की बिक्री से अपेक्षित राजस्व वसूलने में भी नाकाम रहा।

निजी खातों में जमा किए सरकारी फंड : लेखा परीक्षा रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि हरियाणा के सरकारी विभागों में वित्तीय अनुशासन की धज्जियां भी उड़ाई गई। ऑडिट रिपोर्ट के ताजा आंकड़ों के अनुसार, विकास एवं पंचायत विभाग और शहरी स्थानीय निकाय ने सरकारी खजाने में रखने के बजाय निजी बैंक खातों में करोड़ों रुपये जमा कर रखे हैं। यह न केवल वित्तीय नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे विकास कार्यों में भी भारी देरी हो रही है।

गबन की आशंका जताई गई : नेशनल टेक्स्ट बुक स्कीम के तहत इन विभागों में सरकार का 13,878.08 करोड़ का निवेश है। ऑडिट के अभाव में विभागों में बड़े स्तर पर धोखाधड़ी और गबन की आशंका जताई गई है। शिक्षा से लेकर सिंचाई विभाग तक, सरकारी धन के दुरुपयोग के कई मामले वर्षों से लटके हुए हैं।

पंचायत विभाग: करोड़ों का बेहिसाब फंड

रिपोर्ट में सबसे बड़ी अनियमितता विकास एवं पंचायत विभाग में पाई गई है। विभाग में वित्तीय नियमों का उल्लंघन करते हुए 11 अलग-अलग बैंक खातों में 1,695.03 करोड़ जमा कर रखे हैं। इसके अलावा, 32.82 करोड़ की अतिरिक्त राशि अन्य यूनिट्स के खातों में बिना किसी इस्तेमाल के पड़ी है। पैसा खातों में पड़े रहने के कारण योजनाएं समय पर पूरी नहीं हुईं और ग्रामीण जनता लाभ से वंचित रह गई।

850 करोड़ का कर्ज छिपाया

एक और गंभीर मामला हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड से जुड़ा है। कॉर्पोरेशन ने 850 करोड़ का कर्ज लिया, जिसे सरकारी रिकॉर्ड में कर्ज दिखाने के बजाय अनुदान के रूप में दर्ज कर गड़बड़ी की गई। इससे राज्य सरकार की देनदारी आंकड़ों में कम दिखाई दी।

नरसिंहपुर से बादशाहपुर तक दो किलोमीटर बरसाती नाले के निर्माण को मंजूरी, नौ करोड़ रुपये की लागत से कार्य पूरा किया जाएगा

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर जलभराव से निजात के लिए नई ड्रेन बनेगी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| दिल्ली-जयपुर हाईवे के नरसिंहपुर में सर्विस रोड पर जलभराव से निजात दिलाने के लिए नई ड्रेन बनाई जाएगी। हरियाणा राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) को इसके लिए नौ करोड़ रुपये का बजट मंजूर हुआ है। इसमें 2.1 किलोमीटर लंबी ड्रेन और 15 मीटर चौड़ी नई सड़क का निर्माण शामिल है। बारिश से पहले ड्रेन का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य है। एचएसआईआईडीसी नरसिंहपुर में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान करने की तैयारी में है। नई ड्रेन बनाने के साथ सड़क और पाइपलाइन परियोजना से बरसाती पानी की निकासी होगी।

इससे सड़क पर जलभराव न होने से जाम की समस्या नहीं रहेगी। इसके लिए 800 एमएम की पाइपलाइन होगी, ताकि बारिश का पानी सीधे ड्रेन में चला जाएगा। सड़क पर जलभराव नहीं होगा। एचएसआईआईडीसी मुख्यालय से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की मंजूरी के साथ बजट पर मुहर लगा दी गई है। उल्लेखनीय है कि हर साल नरसिंहपुर के पास जलभराव की समस्या होती है।

बारिश से पहले निर्माण पूरा करने का प्रयास : एचएसआईआईडीसी के डीजीएम अरुण गर्ग ने कहा कि नरसिंहपुर से बादशाहपुर तक नई ड्रेन और सड़क बनाने के लिए नौ करोड़ रुपये का बजट मंजूर हो गया है। अब टेंडर जारी करके अगले माह से ड्रेन बनाने का काम शुरू होगा। नरसिंहपुर में जलभराव की स्थाई समाधान कराने में उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने सहयोग दिया है। उनके निर्देश पर यह नई ड्रेन बनाने से लेकर बजट की मंजूरी दिलवाई गई है। बारिश से पहले ड्रेन पूरा करने की कोशिश रहेगी ताकि नरसिंहपुर में जलभराव से जाम न लगे।

फाइल फोटो।

औद्योगिक क्षेत्र को भी लाभ होगा

बारिश के दिनों में नरसिंहपुर में जलभराव होने से हाईवे पर आवाजाही प्रभावित हो जाती है। दस-दस घंटे तक ट्रैफिक बाधित होता है। यहां पर एनएचएआई, जीएमडीए और नगर निगम पंप लगाकर पानी की निकासी करते हैं। इससे हाईवे किनारे औद्योगिक क्षेत्र की कंपनियों और नरसिंहपुर में पानी भर जाता है। नई ड्रेन बनने से कंपनियों से लेकर नरसिंहपुर में जलभराव नहीं होगा।

पॉलिथीन के बहिष्कार की मुहिम शुरू करें : राव नरबीर

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि गुरुग्राम में बड़ी संख्या में गेटेड सोसाइटी हैं। यदि इन सोसाइटियों के निवासी पॉलिथीन बहिष्कार की मुहिम शुरू करें तो अन्य कॉलोनियां भी आगे आएंगी। उद्योग मंत्री साउथ सिटी दो में आरडब्ल्यूए द्वारा आयोजित फूल महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि गुरुग्राम में प्रदूषण कम करने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रही है। इस दिशा में जनभागीदारी की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। सरकारी प्रयासों से स्वच्छता संभव नहीं है, जब तक आम लोगों की सक्रिय रूप से सहयोग नहीं करेंगे। स्वच्छ वातावरण के निर्माण के लिए समाज के हर वर्ग का जुड़ाव आवश्यक है।

उन्होंने आह्वान किया कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज का निर्माण ही विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर साउथ सिटी दो के प्रेजिडेंट नवदीप यादव, निगम पार्षद कुलदीप यादव, राकेश यादव, केपी यादव, धनेश, श्रवण, एससी शर्मा आदि मौजूद रहे।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 27 मार्च को होगा

फरीदाबाद (राजधानी चौपाल)| पंचायती राज संस्थाओं के उपचुनाव के लिए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित किया गया है। 2 मार्च को वार्डवार प्रारूप सूची प्रकाशित होगी और 9 मार्च तक दावे-आपत्तियां ली जाएंगी। अंतिम मतदाता सूची 27 मार्च 2026 को जारी की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त आयुष सिन्हा ने बताया कि संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं की वार्डवार सूची तैयार की जा रही है। यह प्रक्रिया निर्धारित नियमों के तहत 19 फरवरी से 28 फरवरी तक पूरी की जाएगी। 2 मार्च को सभी ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों के वार्डों की प्रारूप मतदाता सूची सार्वजनिक की जाएगी। इसके बाद निर्धारित प्रपत्रों में दावे और आपत्तियां जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की जा सकेंगी।

न्यूज ब्रीफ

निवेश के नाम पर 17 लाख रुपये ठगे

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| साइबर जालसाजों ने सेक्टर-56 की रहने वाली एक महिला से शेयर बाजार में निवेश के नाम पर करीब 17 लाख रुपये की ठगी की कर डाली। साइबर थाना पूर्व पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में सेक्टर-56 स्थित जलवायु टावर निवासी हिमांगी मेहता ने बताया कि ठगों ने उनसे 23 जनवरी 2026 को संपर्क किया था। आरोपियों ने उन्हें स्टॉक मार्केट में निवेश करने पर बेहद कम समय में मोटा मुनाफा दिलाने का लालच दिया। विश्वास जीतने के लिए शुरुआत में उन्हें कुछ फर्जी आंकड़े और लाभ दिखाया गया। पीड़िता के अनुसार 23 जनवरी से 17 फरवरी 2026 के बीच आरोपियों ने अलग-अलग बहानों से उनसे कुल 16 लाख 95 हजार रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लिए। जब पीड़िता ने अपना पैसा वापस निकालने की कोशिश की, तो आरोपियों ने और पैसों की मांग शुरू कर दी। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने पुलिस को शिकायत दी।

क्रेडिट कार्ड के नाम पर साढ़े 11 लाख ऐंठे

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| साइबर ठगों ने सेक्टर-65 स्थित एमराल्ड हिल्स में रहने वाले बुजुर्ग से करीब साढ़े 11 लाख रुपये ठग लिए। उन्हें क्रेडिट कार्ड जारी करने का झांसा दिया गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 81 वर्षीय पीड़ित सुरेंद्र पाल मल्होत्रा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 फरवरी 2026 की शाम को उनके पास एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को इंडसइंड बैंक का कर्मचारी बताया। बुजुर्ग को सीनियर सिटीजन क्रेडिट कार्ड देने का झांसा दिया।

औद्योगिक क्षेत्र के कर्मियों को कुशल बनाएंगे

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| उद्योगों के कर्मचारियों को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। सेक्टर-37 औद्योगिक क्षेत्र में केंद्र बनाकर कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे वे अपने-अपने क्षेत्र में कुशल बन सकेंगे।एमएसएमई विभाग-गुणवत्ता परिषद के सहयोग से प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा। इसमें कर्मचारियों को एक वर्ष तक निशुल्क प्रशिक्षण देकर तैयार किया जाएगा। लघु उद्योग पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक औद्योगिक शक्ति बनेगी। प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (पीएफटीआई) के चेयरमैन दीपक मैनी ने कहा कि उद्योगों के कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर कौशल विकास किया जाएगा। उनको यहां पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका कोई शुल्क नहीं होगा। यह प्रशिक्षण एमएसएमई विभाग-गुणवत्ता परिषद की ओर से दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से बेहतर कनेक्टिविटी से उद्योगों के लिए कच्चे माल और तैयार उत्पादों की आवाजाही तेज होगी, जिससे ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को ठोस मजबूती मिलेगी। इससे स्थानीय उद्योगों और स्टार्टअप्स को भी नए अवसर मिलेंगे।

युवती को धमकाने पर मुकदमा दर्ज

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| एक युवती को डराने-धमकाने और उसकी निजी तस्वीरों को सार्वजनिक करने का भय दिखाकर प्रताड़ित करने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत साइबर थाना पूर्व में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला डीएलएफ फेज-3 के यू-ब्लॉक इलाके का है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार एक अज्ञात व्यक्ति पिछले दो महीनों से पीड़िता को लगातार परेशान कर रहा था। आरोपी के पास पीड़िता की कुछ निजी तस्वीरें हैं, जिन्हें सोशल मीडिया या अन्य प्लेटफॉर्म पर शेयर करने की धमकी देकर प्रताड़ित कर रहा था।

हरियाणा सुपर-100 के 21 छात्रों ने कीर्तिमान रचा

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| जिले के सरकारी स्कूलों के 21 छात्रों ने हरियाणा सुपर-100 कार्यक्रम में 80 पर्सेंटाइल से अधिक अंक हासिल किया है। इससे उन्होंने साबित कर दिया कि प्रतिबद्ध मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत से कोई भी लक्ष्य दूर नहीं। बीते दिनों घोषित हुए आईआईटी जेईई मेन्स 2026 (सेशन-1) के परिणामों ने इस सफलता पर मुहर लगा दी है।

रिजल्ट के बाद शिक्षा निदेशालय द्वारा संकलित और जारी की गई राज्यस्तरीय रिपोर्ट के अनुसार, कुल 314 छात्रों में से 227 ने 80 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए, जिनमें गुरुग्राम टॉप-3 जिलों में शामिल रहा। हरियाणा विद्यालय शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत संचालित सुपर-100 कार्यक्रम के कुल 314 छात्रों में से 227 छात्रों ने 80 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इनमें से गुरुग्राम के 21 विद्यार्थी शामिल हैं। जिले से सफल हुए छात्रों में 4 छात्राएं और 17 छात्र हैं। श्रेणीवार आंकड़ों के अनुसार गुरुग्राम से 14 सामान्य वर्ग, 3 ओबीसी और 4 अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों ने सफलता हासिल की है। प्रदेश स्तर पर देखें तो हिसार जिले ने सर्वाधिक 40 विद्यार्थियों के साथ पहला स्थान प्राप्त किया है, जबकि फतेहाबाद 25 विद्यार्थियों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। गुरुग्राम 21 सफल विद्यार्थियों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

भाजयुमो का कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन

फरीदाबाद (राजधानी चौपाल)| नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुए विरोध को लेकर भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने शनिवार को सेक्टर-15 बाजार में प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष सचिन ठाकुर के नेतृत्व में युवाओं ने राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने इसे देश की छवि को ठेस पहुंचाने वाला कदम बताया। प्रदर्शन भाजपा जिला कार्यालय से शुरू होकर सेक्टर-15 बाजार चौक तक पहुंचा। वहां बड़ी संख्या में युवा एकत्रित हुए।

शराब की दुकान से पौने पांच लाख उड़ाए

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| सेक्टर-32 स्थित एक प्रसिद्ध वाइन शॉप को निशाना बनाते हुए शटर तोड़कर चार लाख 70 हजार रुपये की नगदी चुरा ली गई। पुलिस ने सेक्टर-29 थाने में पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सेक्टर-32 स्थित डिस्कवरी वाइन ठेके पर बाइक पर सवार होकर दो नकाबपोश युवक आए। ठेके के मालिक ओम प्रकाश सिंगला ने बताया कि बदमाश शटर तोड़कर दुकान के अंदर घुस गए। लोहे की रॉड से गल्ले (कैश काउंटर) को तोड़ दिया। गल्ले से चार लाख 70 हजार की नगदी चुरा ले गए। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है।

शर्मनाक : घर से चार किलोमीटर दूर ले जाकर बच्ची से हैवानियत

दुष्कर्म के बाद हत्या के आरोपी को पुलिस ने कंपनी से पकड़ा, पूछताछ में जुर्म कबूला

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| पड़ोसी युवक द्वारा साढ़े तीन साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या से आसपास के लोग सकते में हैं। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपी युवक घर के बाहर खेल रही बच्ची को सामान दिलाने के बहाने चार किलोमीटर दूर ले गया। वहां पर उसके साथ हैवानियत की और शव को गड्ढे में दबा दिया।

परिजनों ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गुरुवार की शाम सात बजे के लगभग जब बच्ची घर नहीं पहुंची तो मां ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन वह नहीं मिली। बच्ची के पिता आठ बजे घर पहुंचे,तो उन्होंने ने भी लगभग साढ़े चार घंटे तक पूरे इलाके में तलाश की। बच्ची नहीं मिलने पर पिता ने गुरुवार देर रात को साढ़े 12 बजे पुलिस को फोन कर बच्ची के गुम होने की सूचना दी। सेक्टर-37 थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची की तलाश के लिए इलाके में तलाश शुरू की, लेकिन एक घंटे की मशक्कत के बाद भी बच्ची का कोई सुराग नहीं मिला।

जांच के दौरान पुलिस टीम ने जांच की तो पता चला कि रात पौने दो बजे के लगभग पुलिस को दो जगह सीसीटीवी फुटेज मिली, जिसमें आरोपी बच्ची को अपने साथ लेकर जाता हुआ दिखाई दिया।

सलाह : बच्चों को कभी अकेला न छोड़ें

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चाहे घर के बाहर खेल का मैदान हो या पास की दुकान, छोटे बच्चों को अकेला न छोड़ें। यदि आप व्यस्त हैं, तो सुनिश्चित करें कि घर का कोई भरोसेमंद उसके साथ हो। बच्चों के साथ होने वाले अपराधों में अक्सर कोई परिचित या पड़ोसी ही शामिल होता है। पुलिस ने बच्ची के शव को बरामद करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बच्ची के पड़ोस में रहता है और सामान दिलाने के बहाने बच्ची को लेकर गया था। दुष्कर्म के बाद बच्ची इस बारे में किसी को न बता दे, इसी डर से उसकी हत्या कर दी।

सड़कों के किनारे पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाने की तैयारी

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) जिले के ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों के किनारे हरियाली बढ़ाकर उन्हें सुंदर बनाएगा। इसके लिए कार्ययोजना बनाई गई है। इसके तहत सोहना, पटौदी समेत प्रमुख सड़कों की मरम्मत के साथ उनके किनारे पौधरोपण और सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे प्रदूषण में भी कमी लाई जाएगी।

पीडब्लूडी के अनुसार गुरुग्राम के ग्रामीण क्षेत्र में 600 किलोमीटर लंबी सड़क का रखरखाव का जिम्मा विभाग के पास है। सोहना और पटौदी में 41 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों की मरम्मत कार्य जारी है। मरम्मत के साथ सड़कों के किनारे पौधरोपण किया जाएगा। सड़कों के रखरखाव में आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है।

35 किलोमीटर सड़कों पर सफेद पट्टियां लगेंगी : विभाग की ओर से अभी ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों का निर्माण, रोड सेफ्टी ऑडिट और सड़कों का चौड़ीकरण कर रहा है। धुंध और कम दृश्यता के दौरान दुर्घटनाएं रोकने के लिए इस वर्ष 35 किलोमीटर सड़कों पर सफेद पट्टियां लगाई जाएंगी। इसके अलावा स्कूल सेफ्टी के तहत संकेतक, रोड मार्किंग और चेतावनी बोर्ड भी लगाए जाएंगे।

इस कार्य के पूरा होने के बाद सड़कों किनारे हरियाली बढ़ाने के लिए पौधे लगाए जाएंगे। इससे सड़कों को सुंदर बनाकर प्रदूषण स्तर कम किया जा सके।

विभाग की प्रदूषण कम करने की भी कवायद

पीडब्लूडी विभाग के कार्यकारी अभियंता चरणदीप सिंह ने कहा कि सड़कों के किनारे न केवल पौधे लगाए जाएंगे, बल्कि उनकी देखभाल की भी जिम्मेदारी ली जा रही है। इससे प्रदूषण कम होगा और सुंदरता बढ़ेगी। सड़कों किनारे हरियाली बढ़ाने की कार्ययोजना बनाकर मंजूरी के लिए मुख्यालय को भेजा जाएगा। अभी सड़कों का निर्माण करने से लेकर चौड़ीकरण का काम शुरू है। लोक निर्माण विभाग द्वारा ग्रामीण व आंतरिक सड़कों की मरम्मत का काम फरवरी 2026 से तेज़ी से शुरू हो गया है, जिसे इस वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है।

सड़क पर अवैध गेट लगाने पर नोटिस

फरीदाबाद (राजधानी चौपाल)| शहर की 60 और 100 फीट चौड़ी मुख्य सड़कों पर लगाए गए अवैध गेट और दीवारों के खिलाफ डीटीपी इंफोर्समेंट विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है।

शुक्रवार को टीम ने लगाए गए अवरोध को लेकर एक कॉलोनी में नोटिस भी चस्पा किए। कार्रवाई डीटीपी इंफोर्समेंट अधिकारी यजन चौधरी के निर्देश पर की गई।

डीटीपी इंफोर्समेंट अधिकारी यजन चौधरी ने बताया कि सार्वजनिक सड़कों पर किसी भी प्रकार का स्थायी अवरोध नियमों का उल्लंघन है और इसे अवैध अतिक्रमण माना जाता है।

निजी अस्पताल पर सीबीआई का छापा, सरकारी योजनाओं में करोड़ों के फर्जीवाड़े की आशंका

फरीदाबाद (राजधानी चौपाल)| शहर के एक निजी अस्पताल पर गुरुवार रात केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने छापेमारी की। इस दौरान टीम ने अस्पताल परिसर, प्रशासनिक कार्यालयों और रिकॉर्ड रूम से जरूरी दस्तावेज कब्जे में लिए और उनकी गहनता से जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी आर्थिक अनियमितताओं, बिलिंग में कथित गड़बड़ी और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के तहत फर्जी क्लेम लेने की शिकायतों के आधार पर की गई है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि अस्पताल प्रबंधन ने आयुष्मान भारत और विभिन्न बीमा योजनाओं के तहत मरीजों के इलाज के नाम पर फर्जी बिल तैयार कर भुगतान लिया। सीबीआई को शिकायतें मिली थीं कि अस्पताल ने आयुष्मान भारत व अन्य बीमा योजनाओं में फर्जी इलाज दिखाकर क्लेम लिया।

आरोप है कि बिलिंग में गड़बड़ी, मरीजों के रिकॉर्ड में हेरफेर और इलाज की अवधि बढ़ाकर भुगतान हासिल किया गया। इन्हीं आर्थिक अनियमितताओं की जांच के लिए सीबीआई की टीम देर रात अस्पताल पहुंची। टीम ने मुख्य प्रवेश द्वारों को सुरक्षा घेरे में ले लिया। अधिकारियों ने अस्पताल के प्रशासनिक रिकॉर्ड, कंप्यूटर सिस्टम, बिलिंग दस्तावेज और मरीजों की फाइलों की जांच की। डिजिटल डाटा की भी कॉपी लेकर उसका विश्लेषण शुरू कर दिया है।

गांव गाडौली में सीईटीपी लगाया जाएगा, जीएमडीए और हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश जारी

यमुना को प्रदूषण से बचाने के लिए लगाया जाएगा नया संयंत्र

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| यमुना को प्रदूषण से बचाने के लिए गुरुग्राम-पटौदी रोड स्थित गांव गाडौली में कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) लगाया जाएगा। इस सिलसिले में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीसी मीणा ने जीएमडीए और हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित गांव घाटा से निकल रहा बादशाहपुर नाला गुरुग्राम-सोहना हाईवे, दिल्ली-जयपुर हाईवे को पार करते हुए गुरुग्राम-पटौदी रोड पर गांव गाड़ौली में पहुंचता है। गांव बहरामपुर के सीवर शोधन संयंत्र से गंदे पानी को शोधित करने के बाद इस नाले में डाला जाता है। इसके बावजूद इस नाले से करीब साढ़े पांच करोड़ लीटर गंदा पानी रोजाना यमुना में मिल रहा है। प्रदूषण विभाग के सर्वे के मुताबिक इस पानी के बीओडी की जांच की गई तो यह 125 एमजी प्रति लीटर पाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक गांव सिंही और खेड़की दौला से 60 लाख लीटर, खांडसा से 60 लाख लीटर, बहरामपुर से 40 लाख लीटर, उल्लावास से 50 लाख लीटर, घाटा से 20 लाख लीटर, मैदावास से 20 लाख लीटर, बादशाहपुर से डेढ़ करोड़ लीटर, सेक्टर-55 से 20 लाख लीटर के अलावा गाड़ौली से गंदा पानी निकलकर इस बरसाती नाले को प्रदूषित कर रहा है।

बरसाती नाला नंबर एक और दो भी यमुना को प्रदूषित कर रहे हैं। प्रदूषण विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक रोजाना करीब 55.4 एमएल (मिलियन लीटर) यानि करीब 5.54 करोड़ लीटर गंदा पानी यमुना में बिना शोधित किए रहा है। इसमें गांव बजघेड़ा से 25 लाख लीटर, रेजांगला चोक से 12 लाख लीटर, पालम विहार से 17 लाख लीटर और उद्योग विहार से पांच करोड़ लीटर गंदा पानी शामिल है। इस पानी में बीओडी का स्तर 109 एमजी प्रति लीटर है।

छह करोड़ रुपये जुर्माना लगाया जा चुका

गांव गाड़ौली के बिल्कुल साथ से बादशाहपुर नाला निकल रहा है। इस गांव में अवैध रूप से वाशिंग इकाईयां काफी मात्रा में चल रही हैं। इन इकाईयों से केमिकलयुक्त पानी इस बादशाहपुर नाले में छोड़ा जाता है। प्रदूषण विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक 37 वाशिंग इकाईयों को बंद करवाया जा चुका है। इन इकाईयों पर करीब छह करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है। सख्ती के बावजूद इस गांव में यह इकाईयां चल रही हैं, जो यमुना को प्रदूषित कर रही हैं। गाड़ौली में सीईटीपी लगाने के बाद इस समस्या का समाधान हो सकता है।

एनजीटी ने आदेश जारी किए : यमुना में छोड़े जा रहे गंदे पानी को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने गहरी नाराजगी जताई है। एनजीटी ने हरियाणा के मुख्य सचिव को हस्तक्षेप करने के आदेश जारी किए हैं। आदेश दिए हैं कि बरसाती नालों में सिर्फ बारिश का पानी छोड़ा जाए।

*गाड़ौली गांव में वाशिंग इकाईयां चलने से बादशाहपुर नाले में गंदा पानी जा रहा है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सीईटीपी लगाने का आग्रह किया है। एचएसआईआईडीसी की मदद से सीईटीपी इस गांव में लगवाया जाएगा।'' -**हेमंत यादव,** मुख्य अभियंता, जीएमडीए।*

नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत : प्रो. काम्बोज

हकृवि के एबिक ने चार स्टार्टअप्स के साथ किए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हिसार (राजधानी चौपाल)| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में नवाचार, उद्यमिता और व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए चार स्टार्टअप्स के साथ एमओए किए गए हैं। एबिक द्वारा कृषि मंत्रालय के माध्यम से चार चयनित स्टार्टअप्स को 62 लाख रूपए की अनुदान राशि भी स्वीकृत की गई है।

कुलपति प्रो बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि हकृवि कृषि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि एबिक इनोवेशन आधारित एग्री स्टार्टअप्स के लिए ऐसा प्लेटफार्म हैं जहां कृषि या कृषि से संबंधित क्षेत्र के स्टार्टअप, छोटे उद्यमी, किसान तथा महिला उद्यमी अपने कृषि व्यापार को बढ़ावा दे सकते हैं। इस केन्द्र के द्वारा नव उद्यमियों को आवश्यक तकनीकी, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और नेटवर्किंग सेवाएं प्रदान की जाती है जिससे वे अपनी कृषि व्यवसाय को सफलतापूर्वक बाजार में उतार सकें और अपने क्षेत्र में स्वरोजगार एवं रोजगार सृजन कर सकें। कुलपति ने बताया कि कृषि अब पारंपरिक खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नवाचार मूल्य संवर्धन और तकनीकी उन्नयन का आधुनिक क्षेत्र बन चुकी है। यदि हमारे युवा उद्यमिता की भावना के साथ आगे बढ़ते रहे तो वह रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने बताया कि एबिक के माध्यम से अब तक हुए कुल 7 कोहार्टस में 77 स्टार्टअप्स को भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लगभग 10 करोड रुपए की ग्रांट स्वीकृत की जा चुकी है जिनमें से कई स्टार्टअप सफलतापूर्वक आत्मनिर्भर उद्यम के रूप में स्थापित हो चुके हैं। आरकेवीवाई रफ्तार स्कीम के नियंत्रक अधिकारी एवं हकृवि के अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बताया कि विश्वविद्यालय अब केवल शिक्षण, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह नवाचार आधारित उद्यमिता को बढ़ावा देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर है।

मील गेट में कार्यकर्ताओं के साथ सुनी पीएम मोदी के मन की बात

हिसार (राजधानी चौपाल)| हरियाणा सरकार के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र के मील गेट स्थित बूथ नंबर 107 पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को सामूहिक रूप से सुना। इस दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने कार्यक्रम को गंभीरता व ध्यानपूर्वक सुना।

इस अवसर पर मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम देश के कोने-कोने में सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करता है। यह कार्यक्रम केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के उन अनदेखे नायकों को पहचान दिलाने का सशक्त मंच है, जो चुपचाप राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भी अपने विचार साझा किए और प्रधानमंत्री के संदेशों की सराहना की। इस मौके पर जिला महामंत्री कृष्ण सरसाना, मण्डल अध्यक्ष बनवारी लाल, पार्षद जय प्रकाश, राम भतेरी, अजय कांत जांगड़ा सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सातरोड खास की अध्यापिकाअनीता ने जीता द्वितीय पुरस्कार

हिसार (राजधानी चौपाल)| पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान शिक्षण सहायक सामग्री प्रतियोगिता में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सातरोड खास (हिसार) की विज्ञान अध्यापिका अनीता ने द्वितीय स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन अग्स्त्य इंटरनेशनल फाउंडेशन द्वारा पुणे में किया गया। इस प्रतियोगिता में 24 राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। अध्यापिका अनीता द्वारा घर्षण पर बनाई गई सहायक सामग्री जोकि कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है, को दूसरा पुरस्कार दिया गया। विजेता को 17500 रुपए की राशि एवं ट्रॉफी भेंट की गई। इस उपलब्धि पर आज विद्यालय पहुंचने पर स्कूल के प्रधानाचार्य ताराचंद, स्टाफ सदस्यों एवं छात्राओं द्वारा प्रातःकालीन सभा में पुष्प मालाओं से अनीता को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ताराचंद ने उनकी पढ़ा की प्रभावशाली शिक्षण विधियां की सराहना की।

ओडीएम के वार्षिक एथलेटिक मीट प्रथम वर्ष की छात्रा अन्नू बनी बेस्ट एथलेटिक

हिसार (राजधानी चौपाल)| राजगढ़ रोड स्थित ओ डी एम महिला महाविद्यालय में वार्षिक एथलेटिक मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय हैंडबॉल टीम के पूर्व कप्तान व कोच नवीन पूनिया का महाविद्यालय पहुँचने पर महाविद्यालय के निदेशक डॉ. अजीत सिंह व प्राचार्या डॉ. प्रतिमा कुमार ने स्वागत किया। नवीन पूनिया एक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी होने के साथ-साथ एक सुप्रसिद्ध हरियाणवी गायक भी हैं।

आयोजन का मुख्य आकर्षण 100 मीटर , 200 मीटर, 400 मीटर, 400 मीटर रिले रेस, डिस्कस थ्रो, शॉट पुट, लॉन्ग जम्प के मुकबाले रहे। जिनमे 100 मीटर रेस में अन्नू ,डिंपल व पुष्पा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहीं। 400 मीटर रेस में पुष्पा, अन्नू व रोमा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहीं। 200 मीटर रेस में डिंपल, पुष्पा और किरण क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहीं। रिले रेस में रोमा, मोनिका, अन्नू व सुशील की टीम प्रथम स्थान पर रहीं। पुष्पा, एकता, करीना व प्रियंका की टीम दूसरे व विनीता, सोनिया, मुस्कान व डिम्पल की टीम तीसरे स्थान पर रही। इसी प्रकार डिस्कस थ्रो में अन्नू, सोनिया व साक्षी क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहीं। शॉट पुट में अन्नू, सोनिया व रोमा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीया स्थान पर रहीं। लॉन्ग जम्प में अन्नू, डिंपल व पुष्पा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीया स्थान पर रहीं। बी ए प्रथम वर्ष की छात्रा अन्नू इस वर्ष की सर्वश्रेष्ठ एथलेटिक बनीं।

मुख्य अतिथि नवीन पूनिया ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों में एक सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं और खिलाडिय़ों को आगे बढऩे का मौका देते हैं। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों के अनुरोध पर मुख्य अतिथि नवीन पूनिया ने अपने लोकप्रिय गाने प्रस्तुत कर वहां मौजूद सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया।

वार्षिक बजट में पहले की तरह सब्जी व फल पर मार्केट फीस समाप्त करनी चाहिए : गर्ग

हिसार (राजधानी चौपाल)| व्यापारियों की मीटिंग हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कान्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। इस मीटिंग में हरियाणा के वार्षिक बजट में बढ़ाए गए टैक्सों को कम करने पर विचार किया गया। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने हरियाणा में पेट्रोल व डीजल पर वैट कर में बढ़ोतरी करके जनता पर आर्थिक बोझ डाला है। सरकार को हरियाणा के वार्षिक बजट में पहले की तरह पैट्रोल पर 16 प्रतिशत व डीजल पर 9 प्रतिशत वैट कर करना चाहिए जबकि पिछली कांग्रेस के राज में पैट्रोल पर लगभग 16 प्रतिशत व डीजल पर लगभग 9 प्रतिशत वैट कर होता था। भाजपा सरकार ने हरियाणा में सरकार बनने पर पैट्रोल पर 26.25 प्रतिशत व डीजल पर 16.8 प्रतिशत टैक्स लगाकर जनता पर आर्थिक बोझ डालने का काम किया है जो सरासर गलत है। बजरंग गर्ग ने कहा कि पिछली सरकार में फल व सब्जी पर मार्केट फीस नहीं थी मगर इस सरकार ने सब्जी व फल पर एक प्रतिशत मार्केट फीस लगा दी। सरकार को वार्षिक बजट में पहले की तरह सब्जी व फल पर मार्केट फीस समाप्त करनी चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि जीएसटी लगने के बाद सरकार को अपने वायदे के अनुसार सरकार को मार्केट फीस समाप्त करनी चाहिए थी जो सरकार ने नहीं की। सरकार को वार्षिक बजट में अनाज पर मार्केट फीस समाप्त करके किसान व आढ़तियों को राहत देनी चाहिए जबकि अनाज, सब्जी, फल, चीनी, कपड़ा, खाद पर किसी प्रकार का टैक्स नहीं होना चाहिए। इस आइटम पर टैक्स होने पर आम जरूरतमंद व्यक्तियों पर आर्थिक बोझ पड़ रहा है और व्यापारियों पर अफसरशाही व इंस्पेक्ट्रीराज हावी होता जा रहा है, जो उचित नहीं है। इस अवसर पर पवन गर्ग, अनिल जैन, सुरेंद्र सिंगला, गोपाल बंसल, बजरंग असरावां, कृष्ण बंसल, अनूप गुप्ता, गिरिराज शर्मा, बलजीत यादव आदि प्रतिनिधि ने अपने सुझाव रखें।

जेईई मेन में तनिषा का शानदार प्रदर्शन

हिसार (राजधानी चौपाल)| जीवीएस इंटरनेशनल स्कूल, दुबेटा की छात्रा ने जेईई मेन-2026 में एक बार फिर इतिहास रचा है। तनिषा पुत्री संजय ने स्कूल में पढ़ते हुए बिना किसी कोचिंग के जेईई मेन की परीक्षा ईडब्ल्यूएस केटेगिरी से उतीर्ण की। तनिषा ने 90.94 प्रतिशत अंक हासिल किए। तनीषा का कहना है कि शिक्षकों के सही मार्गदर्शन व कड़ी मेहनत से हर सफलता को पाया जा सकता है। इस मौके पर चेयरमैन सोनू पंघाल, प्रिंसिपल प्रदीप सूरा और वाईस प्रिंसिपल संजय राव ने तनिषा का मुंह मीठा करवाया तथा उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

श्री कृष्ण प्रणामी स्कूल, आदमपुर की छात्रा दीक्षा ने JEE Main में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की

हिसार (राजधानी चौपाल)| श्री कृष्ण प्रणामी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मंडी आदमपुर (हिसार) की कक्षा 12वीं की छात्रा दीक्षा ने JEE MAIN परीक्षा 2026 में उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए 95.7441381 NTA स्कोर प्राप्त किया है। विद्यालय से इस वर्ष JEE MAIN 2026 में केवल चार विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिनमें से दीक्षा का यह उत्कृष्ट परिणाम विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। दीक्षा की इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय, बल्कि क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मपाल पनिहार तथा विद्यालय प्रशासक पंकज मक्कड़ ने दीक्षा को इस सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय परिवार ने आशा व्यक्त की कि दीक्षा की यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों को भी उच्च लक्ष्य निर्धारित कर परिश्रम करने के लिए प्रेरित करेगी।

पंजाब के 90 प्रतिशत से अधिक घरों का बिजली बिल आया जीरो, फिर भी मुनाफे में पंजाब के बिजली निगम : राजेन्द्र सोरखी

हांसी/हिसार (राजधानी चौपाल)| आम आदमी पार्टी ने हरियाणा की बीजेपी सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 11 साल में सरकार ने बिजली क्षेत्र को कर्ज और घाटे में डूबो दिया है। प्रेस को जारी बयान में पार्टी के हांसी जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने कहा कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार हरियाणा के बिजली वितरण निगमों पर 27,915 करोड़ का संचित घाटा है और कुल उधारी 20,311 करोड़ तक पहुंच चुकी है। यह स्थिति बताती है कि सरकार न तो वित्तीय सुधार कर पाई और न ही उपभोक्ताओं को राहत दे पाई। आज हरियाणा का आम परिवार महंगे टैरिफ, भारी फिक्स्ड चार्ज और लगातार बढ़ते बिजली बिलों से परेशान है, लेकिन सरकार के पास कोई ठोस जवाब नहीं है।

आप के हांसी जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने कहा कि "रोशन पंजाब मिशन" के तहत 300 यूनिट तक फ्री बिजली देने का फैसला आम आदमी पार्टी सरकार की जनहितकारी सोच का प्रमाण है। पंजाब में 90% से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को शून्य बिल का लाभ मिला है और लाखों परिवारों को सीधी राहत पहुंची है। उन्होंने कहा कि जहां पंजाब में जनता को फ्री बिजली और बेहतर सेवाएं मिल रही हैं, वहीं हरियाणा में भाजपा सरकार जनता से महंगे बिल वसूल कर भी घाटा कम नहीं कर पा रही है। भाजपा सरकार को हरियाणा की जनता को बताना चाहिए कि 11 वर्षों में बिजली व्यवस्था को सुधारने के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए। अगर पंजाब में मुफ्त बिजली देकर भी निगम लाभ में आ सकता है, तो हरियाणा में कर्ज और घाटा क्यों बढ़ता गया। राजेन्द्र सोरखी ने कहा कि पंजाब मॉडल ने साबित कर दिया है कि ईमानदार नेतृत्व और स्पष्ट नीति से जनता को राहत भी दी जा सकती है और सरकारी संस्थानों को मजबूत भी बनाया जा सकता है।

अमर शहीद मदन लाल ढींगड़ा की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित; हवन-यज्ञ और राष्ट्रभक्ति के उद्घोष से गूंजा प्रतिमा स्थल

हिसार (राजधानी चौपाल)| हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पंजाबी कल्याण मंच, अखिल भारतीय सेवा संघ व भगवान परशुराम जन सेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में अमर शहीद मदन लाल ढींगड़ा की जयंती बड़े ही हर्ष व उल्लास के साथ ढींगड़ा प्रतिमा स्थल पर मनाई गई। सर्वप्रथम मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ किया गया। इसके पश्चात पुष्प माला व फूल अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

इस मौके पर नगर निगम के मेयर प्रवीण पोपली मुख्य अतिथि, प्रमुख समाजसेवी एवं ब्लूमिंग डेल्ज स्कूल के अध्यक्ष एच.के. शर्मा व प्रसिद्ध समाजसेवी सीए पवन गिरधर मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित हुए। यह जानकारी पंजाबी कल्याण मंच के प्रेस प्रवक्ता जीसी नारंग ने एक विज्ञप्ति में दी। माल्यार्पण व पुष्प अर्पित करने के पश्चात मुख्य अतिथि व मुख्य यजमानों ने अपना उद्बोधन दिया। सर्वप्रथम प्रमुख समाजसेवी पवन गिरधर ने बोलते हुए कहा कि देश की आजादी के लिए सबसे पहले शहादत मदनलाल ढींगड़ा ने दी। शिक्षाविद एच.के. शर्मा ने भी अपने सम्बोधन में मदनलाल ढींगड़ा की शहादत देने पर बड़े विस्तार से चर्चा कर उन्हें नमन किया। इसके पश्चात मुख्य संरक्षक पंजाबी कल्याण मंच वेद रावल ने अपने संबोधन में विभिन्न संस्थाओं से आए हुए सम्मानित प्रतिनिधियों का यहां पहुंचने पर अभिनंदन, स्वागत व आभार व्यक्त किया और ढींगड़ा की जीवनी पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि शहीद किसी एक कौम के नहीं होते, पूरे समाज के होते हैं। मुख्य अतिथि नगर निगम के मेयर प्रवीण पोपली ने बोलते हुए आने वाले कुछ ही समय में ढींगड़ा प्रतिमा स्थल के पुनरुत्थान का आश्वासन दिया और विश्वास दिलाया कि मंच की गतिविधियों को देखते हुए निगम आगे भी सहयोग करता रहेगा। अंत में आए हुए सभी गणमान्य व्यक्तियों का अध्यक्ष इंद्र शर्मा ने स्वागत व आभार व्यक्त किया तथा अमर शहीद ढींगड़ा की जीवनी पर भी प्रकाश डाला और कहा कि मंच आगे भी इसी तरह जन्मतिथि व पुण्यतिथि के अलावा अन्य सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेता रहेगा। आखिर में उद्घोष लगाकर शहीद को याद किया गया। मंच का संचालन महासचिव वी.एल. शर्मा ने बड़े ही सुचारू रूप से किया।

इस अवसर पर पूर्व सरपंच गुलजार सिंह काहलो, पूर्व पार्षद मनोहर लाल नांगरू, पंकज दीवान, उमेद खन्ना के अलावा प्रधान इंद्र शर्मा, महासचिव वी.एल. शर्मा, वित्त सचिव एच.के. धमीजा, वरिष्ठ उपप्रधान सुभाष कुकड़ेजा, संरक्षक आर.डी.अरोड़ा, जगदीश नागपाल, मदन पपनेजा, जी.सी. नारंग भगवान दास कक्कड़, गौड़ युवा मोर्चा से विकास गौड़, योगेंद्र शर्मा, राजकुमार सलूजा, जितेंद्र भारती, सोमनाथ वधवा, बी.सी. मलिक, सुरेश कुकडेजा, मनजीत सिंह नैन, राधा कृष्ण नारंग, बंसीलाल पठनेजा, अशोक ढींगड़ा, डॉक्टर संजय मुंजाल, सुदर्शन वलेचा, गुरदीप अनेजा, रमेश शर्मा, देसराज कम्बोज, जितेंद्र कुकडेजा, मदन छाबड़ा, ओ.पी.मलिक उरेन्द सचदेवा, कृष्ण रहेजा, एच.के खन्ना आदि मौजूद रहे।

गुरु द्रोणाचार्य गर्ल्स कॉलेज में 'महिला स्वास्थ्य जागरूकता' विषय पर कार्यक्रम आयोजित

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल)| गुरु द्रोणाचार्य गर्ल्स कॉलेज में महिला प्रकोष्ठ तथा एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वाधान में "महिला स्वास्थ्य जागरूकता" विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित द्वारा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता निर्देशक अजय ज्याणी, प्राचार्या डॉ अमिता ग्रैवाल एवं उप-प्राचार्या सुनीता रहेजा ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अनुराधा डेंटल सर्जन सिविल अस्पताल, मंडी आदमपुर उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि के स्वागत हेतु स्वागत संबोधन एनसीसी की केयर टेकर ऑफिसर समीना ने किया। कॉलेज प्राचार्या डॉ अमिता ग्रैवाल ने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ स्वास्थ्य जागरूकता भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कॉलेज छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करता है। उन्होंने मुख्य अतिथि द्वारा साझा की गई जानकारी को अत्यंत उपयोगी बताया। उप-प्राचार्या सुनीता रहेजा ने छात्राओं को अपने सम्बोधन में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि संतुलित आहार, सकारात्मक सोच और नियमित व्यायाम से जीवन को स्वस्थ और सफल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में महिला प्रकोष्ठ प्रभारी राजलक्ष्मी ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

गुरु द्रोणाचार्य कॉलेज की छात्राओं ने राखीगढ़ी के भ्रमण से जाना 5000 साल पुरानी सभ्यता का रहस्य

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल)| छात्राओं को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक और ऐतिहासिक अनुभव देने के उद्देश्य से गुरु द्रोणाचार्य गर्ल्स कॉलेज ने एक विशेष पहल की है। महाविद्यालय की छात्राओं को भारत की गौरवशाली विरासत से रूबरू कराने के लिए हरियाणा के सुप्रसिद्ध पुरातात्त्विक स्थल राखीगढ़ी का एक दिवसीय शैक्षिक एवं ऐतिहासिक भ्रमण आयोजित किया गया।

21 फरवरी 2026 को आयोजित इस यात्रा के दौरान छात्राओं ने सिंधु घाटी सभ्यता के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक राखीगढ़ी के पुरातात्त्विक स्थलों का दौरा किया। यहाँ पुरातात्त्विक विशेषज्ञों और शिक्षकों ने छात्राओं को हड़प्पा कालीन नगर व्यवस्था, उन्नत जल निकासी प्रणाली और तत्कालीन सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्राओं ने हजारों वर्ष पुराने अवशेषों को प्रत्यक्ष रूप से देखा, जिससे उन्हें प्राचीन भारतीय इतिहास की बारीकियों को समझने में मदद मिली।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अमिता ग्रेवाल के कुशल नेतृत्व और उप-प्राचार्या सुनीता के मार्गदर्शन में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्राचार्या डॉ. ग्रेवाल ने कहा कि इस तरह के भ्रमण छात्राओं के बौद्धिक और सामाजिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्राचीन विरासतों को केवल किताबों में पढ़ना काफी नहीं है, बल्कि उन्हें करीब से महसूस करने पर ही हम अपनी सांस्कृतिक जड़ों को समझ सकते हैं।

इस भ्रमण में छात्राओं ने भारी उत्साह दिखाया और प्राप्त जानकारियों के आधार पर अपने नोट्स भी तैयार किए। महाविद्यालय प्रशासन ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी प्राध्यापकों और सहयोगी स्टाफ के योगदान की सराहना की। भ्रमण का मुख्य संदेश छात्राओं को अपनी ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना था।

छात्राओं ने इस अनुभव को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि ऐसी यात्राएं उन्हें अपनी संस्कृति पर गर्व करने का अवसर प्रदान करती हैं। भविष्य में भी महाविद्यालय ने इस तरह की ज्ञानवर्धक गतिविधियों को जारी रखने का आश्वासन दिया है।

जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी, एप्लीकेशन्स एण्ड करियर ऑपर्च्युनिटीज के अवसर विषय पर व्याख्यान आयोजित

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल)| गुरु द्रोणाचार्य गर्ल्स कॉलेज के भूगोल विभाग द्वारा जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी, एप्लीकेशन्स एण्ड करियर ऑपर्च्युनिटीज के अवसर" विषय पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को भू-स्थानिक तकनीकों के बढ़ते महत्व, उनके व्यावहारिक उपयोग तथा इस क्षेत्र में उपलब्ध कैरियर संभावनाओं से अवगत कराना था। इस अवसर पर स्काईलाइन इंस्टीट्यूट ऑफ जियोइन्फॉर्मेटिक्स, रोहतक से मुख्य वक्ता के रूप में श्री राकेश चौहान उपस्थित रहे। उन्होंने जीआईएस, रिमोट सेंसिंग और जीपीएस जैसी आधुनिक तकनीकों की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आज भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग शहरी नियोजन, कृषि विकास, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन तथा स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में व्यापक रूप से किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार अवसरों और आवश्यक कौशल की जानकारी भी दी। अनु श्योराण, बीडी कोऑर्डिनेटर, रोहतक ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में भू-स्थानिक तकनीक युवाओं के लिए एक उभरता हुआ और संभावनाओं से भरा क्षेत्र है। उन्होंने छात्राओं को तकनीकी दक्षता बढ़ाने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। भूगोल विभागाध्यक्ष श्रीमती साहिबा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. अमिता ग्रेवाल ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि तकनीकी शिक्षा आज के समय की आवश्यकता है। उन्होंने छात्राओं को नवीनतम तकनीकों को अपनाने और आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। उप प्राचार्या सुनीता रहेजा ने भी छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं और उनके आत्मविश्वास में वृद्धि करते हैं। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हर नागरिक को प्रेरित करने वाला होता प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम : डॉ. आशा खेदड़

हिसार (राजधानी चौपाल)| भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम हर नागरिक को प्रेरित करने वाला होता है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का हौंसला भी बढ़ाते हैं। डॉ. आशा खेदड़ रविवार को हिसार विधानसभा क्षेत्र के सब्जी मंडी मंडल के बूथ नंबर 71 पर भाजपा कार्यकर्ता अंजू सोलंकी के आवास पर मन की बात कार्यक्रम सुन रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने रविवार के इस कार्यक्रम में जनता, खासकर युवा वर्ग का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अभिन्न अंग बताया है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम का 131वां एपिसोड व इस साल का दूसरा एपिसोड जिले भर में बूथ स्तर पर देखा व सुना गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष लोकेश असीजा, अनुज जैन, नितिन शर्मा, अनिल कुकरेजा, दीपक वाल्मीकि, पार्षद मनोहर लाल वर्मा व सज्जन शर्मा सहित अनेक नागरिक उपस्थित थे।

हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ

हिसार (राजधानी चौपाल)| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा चक्रवर्ती सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के प्रथम दिन उद्घाटन सत्र पर आयोजित कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अतुल ढींगड़ा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्वयं सेविकाओं को प्रेरित किया। डॉ अतुल ढींगड़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वयं सेविकाओं को समाज सेवा, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भुमिका निभाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं के व्यक्तित्व विकास का सशक्त मंच है, जो उन्हें संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाता है।

सीएम नायब सिंह सैनी बोले- यह बजट सरकार का नहीं, बल्कि जनता का होगा

एआई चैट बॉक्स पर मिले 12,400 सुझावों में से 5 हजार बजट में शामिल करेगी सरकार

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | इस बार बजट के सुझाव जानने के लिए एआई चैट बॉक्स का प्रयोग किया। 12,400 सुझाव मिल चुके हैं। वहीं सीएम को विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से 2199 सुझाव मिले हैं। इस बार जनता से मिले करीब 5 हजार सुझावों को बजट में शामिल किया जाएगा। पिछली बार बजट के लिए 11 बैठकें की गई थीं, इसमें 1592 सुझाव मिले थे, इनमें से 706 सुझाव शामिल हुए थे। तब बजट में 248 घोषणाएं की गई थीं, इनमें से 77 बजट घोषणा लागू कर दी गई हैं, जबकि 165 पर कार्य चल रहा है। इस बार बजट सत्र 20 फरवरी से शुरू व 18 मार्च तक चलेगा। सीएम नायब सिंह सैनी के अनुसार यह बजट सरकार का नहीं, बल्कि जनता का बजट होगा।

कांग्रेस कल बनाएगी रणनीतिः सत्ता पक्ष व विपक्ष द्वारा एक दूसरे को घेरने की रणनीति बनाई जा रही है। कांग्रेस ने 19 को चंडीगढ़ में विधायक दल की बैठक बुलाई है, इसमें विस में उठाए जाने वाले मुद्दों पर रणनीति बनेगी। भाजपा ने भी विधायक दल की बैठक बुलाने का निर्णय लिया है। विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए सत्ताधारी पार्टी के नेता रणनीति तैयार करेंगे। वहीं इनेलो की ओर से भी आमजन के मुद्दे सदन में उठाए जाएंगे।

पिछले साल के मुकाबले राज्य की जीडीपी 12.67% की दर से बढ़ी

सीएम ने कहा कि 29 जनवरी, 2026 को योजना विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार राज्य का सकल घरेलू उत्पाद अर्थात जीडीपी वर्ष 2025-26 के अग्रिम अनुमानित आंकड़ों के अनुसार 13 लाख 67 हजार 769 रुपए रही है। वर्ष 2024-25 में यह 12 लाख 13 हजार 951 करोड़ रुपए थी। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि वर्ष 2025-26 में वर्ष 2024-25 के मुकाबले राज्य की जीडीपी 12.67% की दर से बढ़ी है। 29 जनवरी 2026 को योजना विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024-25 में राज्य की प्रतिव्यक्ति आय 3 लाख 58 हजार 171 रुपए रही है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिव्यक्ति आय 2 लाख 19 हजार 575 रुपए है। हरियाणा की प्रतिव्यक्ति आय देश के शीर्ष 5 राज्यों में शामिल है।

देश के बड़े औद्योगिक राज्यों में है हरियाणा

सीएम ने कहा कि हरियाणा का औद्योगिक विकास तेजी से बढ़ा है और आज राज्य देश के बड़े औद्योगिक राज्यों में गिना जाता है। वित्त वर्ष 2023-24 में हरियाणा का औद्योगिक उत्पादन 11.08 लाख करोड़ रुपए रहा, जिससे राज्य देश में चौथे नंबर पर है। यह दिखाता है कि हरियाणा में उद्योगों का आधार मजबूत है। हर फैक्ट्री से होने वाला उत्पादन औसतन 13 हजार 549 लाख रुपए रहा, जो देश के औसत से करीब दोगुणा है।

विपक्ष बताए - भरोसा ना बढ़ता तो साधन कैसे मिलते

सीएम ने कहा कि विपक्ष बार-बार बेरोजगारी के विषय पर बोलता है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, 2004-05 में सरकारी व गैर सरकारी क्षेत्रों में 90.61 लाख लोग कार्यरत थे, जबकि 2014-15 में यह आंकड़ा घटकर 86.93 लाख रह गया था। वर्ष 2023-24 में 110 लाख लोग विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत थे। जहां वर्ष 2004-14 के बीच लगभग 3 लाख 68 हजार लोगों को अपना रोजगार गंवाना पड़ा, वहीं वर्ष 2023-24 तक लगभग 27 लाख लोगों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हुए हैं। यह हमारी सरकार की बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2004-14 की अवधि के दौरान उच्च शिक्षा में ग्रॉस एनरोलमेंट रेशों (जीईआर) लगभग 27 प्रतिशत था। जबकि, वर्ष 2015-25 की अवधि के दौरान यह बढ़कर 34 प्रतिशत हो गया है। इसी प्रकार, वर्ष 2005-14 की अवधि के बीच प्रदेश में लगभग 45 विश्वविद्यालय थे। जबकि, वर्ष 2015-25 की अवधि के बीच 60 नए विश्वविद्यालय प्रदेश में स्थापित हुए हैं। वित्त विभाग द्वारा जारी व्हाइट पेपर के अनुसार राज्य का अपना राजस्व वर्ष 2013-14 में 25 हजार 567 करोड़ रुपए था। जबकि, वर्ष 2024-25 में राज्य का अपना राजस्व बढ़कर 77 हजार 943 करोड़ रुपए हो गया। वर्ष 2013-14 की तुलना में वर्ष 2024-25 में लगभग 52 हजार 376 करोड रुपए की वृद्धि हुई है।

जापान से आएगा 5 हजार करोड़ का निवेश, एमओयू पर हस्ताक्षर हुए

सीएम नायब ने जापान दौरे का जिक्र करते हुए बताया कि उनकी इस विजिट के दौरान करीब 5000 करोड़ रुपए के निवेश हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे, इनमें से कई निवेशकों ने तो प्रदेश में जमीन चिन्हित कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। सीएम ने कहा कि बताया कि विश्व की कई बड़ी कंपनियों ने भी हरियाणा में निवेश करने की इच्छा जाहिर की है इस दिशा में कदम भी उठाये गए हैं। उन्होंने पिछले बजट के दौरान राज्य में प्रस्तावित 10 आईएमटी की घोषणा के मामले में बताया कि इनमें से 6 आईएमटी स्थापित करने के लिए जगह भी चिन्हित कर ली गई है और निर्माण से संबंधित तेजी से काम चल रहा है।

युवक की मौत पर परिवार को राहत कोर्ट ने मुआवजा 21.11 लाख से बढ़ाकर 35.18 लाख किया

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| सड़क हादसे में 23 वर्षीय संदीप की मौत के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने आश्रित परिवार को राहत दी है। जस्टिस सुदीप्ति शर्मा ने सोनीपत के मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के 31 जनवरी 2019 के अवॉर्ड में संशोधन करते हुए कुल मुआवजा 21.11 लाख से बढ़ाकर 35.18 लाख रुपए कर दिया है। इस तरह परिवार को 14.07 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि मिलेगी, जिस पर दावा याचिका दायर करने की तारीख से भुगतान तक 9% वार्षिक ब्याज भी देय होगा।

मामले की सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि अधिकरण ने मृतक की वास्तविक आय का सही मूल्यांकन नहीं किया। रिकॉर्ड के अनुसार संदीप एक निजी कंपनी में कार्यरत था। जुलाई 2017 की वेतन पर्ची में उसकी मासिक आय 14,412 रुपए दर्ज थी, लेकिन अधिकरण ने आय मात्र 9,000 रुपए प्रतिमाह मान ली थी। हाई कोर्ट ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही संक्षिप्त प्रकृति की होती है। ऐसे में तकनीकी आधार पर प्रमाणित वेतन पर्ची को नजरअंदाज करना उचित नहीं था। अदालत ने न्यायोचित रूप से मासिक आय 14,500 रुपए रुपए स्वीकार की। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों के आधार पर मुआवजे की दोबारा गणना की गई। 23 वर्ष की आयु को देखते हुए 18 का गुणक (मल्टीप्लायर) लागू किया गया। भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए आय में 40% की वृद्धि जोड़ी गई।

न्यूज ब्रीफ

सीएम से युवक बोला- ताऊ हमनै भी जहाज म्हं बिठा ले, सीएम ने बैठाकर की बातचीत

उचाना (राजधानी चौपाल)| जींद के उचाना में रैली के बाद सीएम नायब सिंह सैनी फतेहाबाद रवाना होने के लिए हेलिकॉप्टर की ओर जा रहे थे। तभी दूर खड़े घसो गांव के युवक सोनू ने चिल्लाकर कहा, 'ताऊ हमनै भी जहाज म्हं बिठा ले।' सीएम ने आवाज सुनकर उसे बुलाया। इसके बाद सोनू 15 मिनट सीएम के साथ हेलिकॉप्टर में रहा। सोनू ने बताया कि उसने सीएम से कहा कि बहुत सारे पेपर दे दिए, लेकिन नंबर नहीं पड़ा। इस सरकार में बिना पर्ची-बिना खचर्ची युवा नौकरी लग रहे हैं। इससे हम खुश हैं कि किसी के बच्चे तो नौकरी लग रहे हैं। सीएम ने कहा कि सभी का भला करेंगे। उन्होंने पीठ पर 3 बार थापी मारी और सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। फोन नंबर भी लिया।

आईटी ने भूमिका बिल्डर के कई संदिग्ध खाते किए सीज

फरीदाबाद (राजधानी चौपाल)| भूमिका बिल्डर के घर और कार्यालय पर चल रही आयकर विभाग (आईटी) की कार्रवाई शुक्रवार देर रात समाप्त हो गई। टीम ने बिल्डर के बैंक खातों की गहन जांच कर कई संदिग्ध खातों को सीज कर दिया। अब जांच पूरी होने तक इन खातों से लेनदेन नहीं हो सकेगा। टीम ने कार्रवाई के दौरान शुक्रवार देर रात बिल्डर से जुड़े वित्तीय दस्तावेज, प्रॉपर्टी डील के रिकॉर्ड, निवेश से संबंधी कागजात और इलेक्ट्रॉनिक डाटा को कब्जा में लेकर जांच की। अंतिम चरण में टीम ने बैंकिंग लेनदेन की पड़ताल पर विशेष ध्यान दिया। जांच में कई ऐसे खाते सामने आए, जिनमें बड़े स्तर पर नकद जमा और संदिग्ध ट्रांजेक्शन पाया गया। बताया जा रहा है इन खातों के माध्यम से कथित रूप से अघोषित आय के लेनदेन की आशंका जताई जा रही है। इसी आधार पर विभाग ने संबंधित खातों को सीज करने की कार्रवाई की है। फिलहाल विभाग ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया है। कार्रवाई के दौरान टीम ने बिल्डर और उसके करीबी सहयोगियों से भी लंबी पूछताछ की। सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में कई वित्तीय लेनदेन और निवेश से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं, जिनकी आगे जांच की जाएगी। साथ ही कुछ दस्तावेजों को विभाग अपने साथ ले गया है, जिनका विस्तृत विश्लेषण किया जाएगा।

पंजाब में नशे, अपराध पर सख्त प्रहार करेगी भाजपाः नायब सैनी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवाओं की नई सोच और सकारात्मक ऊर्जा से प्रदेश और देश को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने पंजाब की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वहां नशे की समस्या गंभीर रूप से बढ़ी है, जिसका दुष्प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ा है। युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखना समय की मांग है और भाजपा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सीएम शनिवार को चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि नशे के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने के लिए हरियाणा में साइक्लोथॉन और मैराथन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, इनमें बड़ी संख्या में युवा भाग ले रहे हैं। अवैध नशा कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है और उनकी संपत्तियां भी अटैच की जा रही हैं। विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में विशेष जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। बढ़ते अपराधों पर बोलते हुए सीएम ने कहा कि पंजाब में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ कर शांति, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होगी। उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है और जनता अपेक्षित परिणाम नहीं देख पा रही है। सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है और वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा सुदृढ़ हुई है। बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सड़क, राष्ट्रीय राजमार्ग और कनेक्टिविटी के विस्तार से विकास को नई गति मिली है। रोजगार के विषय में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और स्टैंड अप इंडिया जैसी पहलों से युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

मनोहर ने एमएचयू में भवन का निरीक्षण किया

करनाल (राजधानी चौपाल)| करनाल केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री एवं उर्जा मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी (एमएचयू) का दौरा किया। एमएचयू पहुंचने पर कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने विश्वविद्यालय में निर्माणाधीन भवनों की प्रगति की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने विवि के मैन कैंपस में बन रहे भवन का निरीक्षण किया और समयबद्ध तरीके से निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। मनोहर लाल ने कहा कि करनाल में महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी क्षेत्र में फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने फलों और सब्जियों की खेती तथा मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए सरकार की विभिन्न सुविधाओं और रियायतों की भी जानकारी दी।

कानून की नजर में जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी : कृषि मंत्री

करनाल (राजधानी चौपाल)| कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने करनाल में फर्जी धान गेट पास घोटाले जुड़े सवाल पर कृषि मंत्री ने कहा कि कानून छोटे-बड़े सभी के लिए बराबर है। कानून की नजर में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने एआई सबमिट में युवा कांग्रेस द्वारा किए गए प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस का रवैया ठीक नहीं है। जिस तरह कपड़े निकालकर प्रदर्शन किया गया, वह अनुचित है। खासकर तब जब कार्यक्रम में विदेशी मेहमान और विभिन्न उद्योगों से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद थे। कृषि मंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि जैसे अपने देहात में लोग कहते हैं जैसा गुरु, वैसे चेले। उन्होंने इशारों में कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठाए। वे इंडिया इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर एक्सपो एवं राइस एंड ग्रेन एक्सपो के समापन समारोह के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

एफआईआर छिपाने वाले को नहीं मिलेगी नौकरी : हाई कोर्ट

कहा- बरी होने के बाद भी नियुक्ति का स्वतः अधिकार नहीं, एलडीसी चयन रद्द

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम लिमिटेड (डीएचबीवीएन) में लोअर डिवीजन क्लर्क (एलडीसी) पद पर चयनित अभ्यर्थी को नियुक्ति से वंचित करने के फैसले को सही ठहराते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने उसकी याचिका खारिज कर दी। स्पष्ट किया कि आवेदन पत्र में लंबित आपराधिक प्रकरण की जानकारी छिपाना साधारण भूल नहीं माना जा सकता, भले ही बाद में संबंधित व्यक्ति बरी क्यों न हो जाए। केस वर्ष 2019 में जारी विज्ञापन से जुड़ा है, इसके तहत याचिकाकर्ता ने एलडीसी पद के लिए आवेदन किया था। आवेदन पत्र में लंबित एफआईआर से संबंधित कॉलम में उसने नहीं अंकित किया, जबकि उस पर वर्ष 2018 में पानीपत में मामला दर्ज था। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 18 मई 2021 को उसे नियुक्ति पत्र जारी किया गया। हालांकि चरित्र सत्यापन प्रपत्र भरते समय उसने लंबित केस का उल्लेख कर दिया। इसके बाद निगम ने उसे ज्वॉइन करने की अनुमति नहीं दी।

याचिकाकर्ता ने पहले भी हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन 4 मार्च 2022 को उसकी याचिका खारिज कर दी गई थी। बाद में ट्रायल कोर्ट ने 20 मार्च 2024 को उसे बरी कर दिया।

बरी होने के आधार पर उसने दोबारा प्रतिनिधित्व देकर नियुक्ति की मांग की, परंतु 8 जनवरी 2026 को निगम ने उसका दावा फिर अस्वीकार कर दिया। इसी आदेश को चुनौती देते हुए वर्तमान याचिका दायर की गई थी।

संगठित अपराध बढ़ा, बजट सत्र में लाएंगे काम रोको प्रस्तावः हुड्डा

बोले- संगठित अपराध पर काबू नहीं कर पा रही सरकार

हिसार/रोहतक (राजधानी चौपाल)| कांग्रेस कानून व्यवस्था के मुद्दे

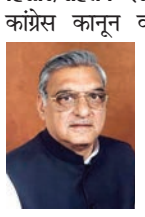

पर विधानसभा के बजट सत्र में काम रोका प्रस्ताव और एडजर्नमेंट मोशन लाएगी। यह बात पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रेसवार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चरमरा चुकी है। रोज यहां गैंगवार, हत्या, फिरौती की घटनाएं हो रही हैं। यहां ऑर्गेनाइज्ड क्राइम का ग्राफ बढ़ रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ही रिपोर्ट है कि प्रदेश में 50 से 60 गैंग सक्रिय है। सरकार इस संगठित अपराध पर काबू नहीं पा रही व जनता का ध्यान भटकाने के लिए विधायक देवेंद्र हंस और अन्य नेताओं पर केस दर्ज कर रही है। हुड्डा ने कहा कि एयरपोर्ट की मंजूरी कांग्रेस के शासनकाल में तत्कालीन एविएशन मिनिस्टर अजीत सिंह से दिलवाई थी, अब भाजपा सरकार तो सिर्फ उद्घाटन कर श्रेय ले रही है।

विधायक देवेंद्र हंस पर दर्ज केस वापस होः दीपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़| सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने गुहला चीका से कांग्रेस विधायक देवेंद्र हंस पर दर्ज केस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने विधायक व अन्य लोगों पर दर्ज एफआईआर को वापस लेने, संबंधित एसडीएम का तबादला करने की मांग की। हुड्डा ने कहा कि देवेंद्र बीडीपीओ चीका परिसर में दुकानों के निर्माण से जुड़े मुद्दे पर लोकतांत्रिक तरीके से एसडीएम कार्यालय में बात रखने गए थे। एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह ने न तो उनकी बात गंभीरता से सुनी, न समाधान का प्रयास किया, बल्कि बहस के बाद विधायक व उनके साथ गए लोगों पर मानहानि, धमकी और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे आरोप लगाकर मामला दर्ज कर दिया।

राहुल गांधी का रवैया देश के लिए खतराः बड़ौली

सोनीपत (राजधानी चौपाल)| भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आचरण को अलोकतांत्रिक और देश के लिए चिंताजनक बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लोकतांत्रिक प्रक्रिया, संवैधानिक मर्यादा और संसद की नियमावली का सम्मान नहीं करते। उनका रवैया ऐसा प्रतीत होता है मानो वे अपनी मनमर्जी से कार्य करना चाहते हों। बड़ौली ने कहा कि जिस दिन संसद में हंगामे की स्थिति बनी, उसी दिन महाराष्ट्र के जिला परिषद चुनावों के परिणाम भी आए, जिनमें कांग्रेस को निराशा हाथ लगी। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का राजनीतिक आचरण अराजकता का प्रतीक बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोरोस से जुड़े कथित पेपर और पेगासस जैसे मुद्दों को उठाकर देश की छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मोबाइल जमा करने के निर्देश के बावजूद राहुल गांधी ने अपना फोन जमा नहीं कराया।

जमीन की साझा खेवट की लड़ाई अब चौपाल पर सुलझेगी; राजस्व विभाग के अधिकारी लगाएंगे न्याय कैंप

हिसार (राजधानी चौपाल)| हरियाणा के गांवों में वर्षों से चली आ रहीं जमीन की साझा खेवट अलग होंगी। भाइयों रिश्तेदारों के बीच खेवट को लेकर चलने वाले विवादों व कानूनी लड़ाइयों को खत्म करने के लिए सरकार ने मिशन 111-ए शुरू किया है।

राजस्व विभाग के इस अभियान के तहत किसानों को कोर्ट के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। तहसीलदार व पटवारी गांव की चौपाल पर न्याय कैंप लगाकर जमीन का बंटवारा कराएंगे। विभाग ने हिसार के पाबड़ा व हर जिले से 2-2 अन्य गांव पायलट प्रोजेक्ट के लिए चुने हैं। इस पर काम शुरू हो चुका है। राजस्व विभाग के उच्चाधिकारियों ने साफ कहा है कि पटवारी से तहसीलदार तक किसी भी स्तर पर लापरवाही मिली या फाइल को बिना ठोस कारण लटकाया तो विभागीय जांच कराई जाएगी।

साझा खेवट से अलग होने पर किसान को ये होगा फायदा : साझा खेवट के कारण किसानों को सीधे लोन की दिक्कत रहती है। नए अभियान के बाद खेवट व जमाबंदी अलग होगी। इससे बैंक से तुरंत केसीसी और कृषि ऋण आसानी मिल सकेगा। जमीन का हिस्सा स्पष्ट होने से पैसा सीधे हकदार के खाते में आएगा। जमीन बेचते समय हिस्सेदारों के साइन की जरूरत नहीं रहेगी। राजस्व अधिकारी मौके पर ही फैसला करेंगे। वकीलों की फीस व सालों की तारीखों से मुक्ति मिलेगी।

पटवारी साझी खेवट के रिकॉर्ड खंगाल रहे हैं। ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है कि सहमति से तकसीम करा लें, ताकि विवाद से बच सकें।

सदन में पेश ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा- पीएफ का पैसा जमा कराने में 12 से 530 दिन तक की देरी

एचकेआरएन कर्मचारियों का पीएफ जमा करने को नहीं था पैसा, विभागों ने 8.29 करोड़ जुर्माना भरा

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) कर्मचारियों का पीएफ तय समय (महीने की 7 तारीख तक) पर जमा न कराने पर विभागों पर 8.29 करोड़ रु. जुर्माना लगा। 191 विभागों, बोर्ड, निगम व अन्य संस्थानों ने जुलाई 2022 से सितंबर 2023 तक पीएफ का पैसा जमा कराने में 12 से 530 दिन की देरी की। एचकेआरएन ने जुर्माने की राशि विभागों से लेकर कर्मचारी भविष्य निधि संगठन को दी। यह खुलासा शुक्रवार को विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन पेश 2023 की ऑडिट रिपोर्ट में हुआ है। इसमें कहा है कि जब संबंधित डीडीओ से पूछा गया तो जवाब मिला कि उनके पास पैसा नहीं था। यानी विभागों, बोर्ड, निगमों के पास पीएफ का पैसा जमा कराने के लिए आया था।

यह भी खुलासा हुआ है कि महिला एवं बाल विकास विभाग ने आधी-अधूरी तैयारी के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों में खोले गए प्ले स्कूल के लिए ओडिशा की फर्म से 4 हजार इलेक्ट्रिक अल्ट्रावायलेट वाटर प्यूरीफायर खरीद लिए। प्रत्येक की कीमत 4,871 रु. थी। इनमें से 1,489 ही चालू मिले। बाकी जगह कहीं बिजली कनेक्शन नहीं था तो कहीं फिटिंग नहीं थी। गारंटी के 3 वर्षबीत गए।

25.86 करोड़ खर्च कर दिए, पर 4 काम अधूरे : ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, कुरुक्षेत्र में आईटीआई के लिए 11.10 करोड़ रुपए तय हुए। जहां बननी थी, वहां जलभराव होता है। ठेकेदार ने मिट्टी का भराव कराने के लिए कहा, जो नहीं हुआ। ठेकेदार 4.02 करोड़ रु. का काम कर चुका है। रेवाड़ी-नारनौल लाइन पर गोविंदपुर के पास आरयूबी के लिए 19.89 करोड़ का बजट तय हुआ। रेलवे को 11.84 करोड़ दिए, पर जमीन पर सहमति ही नहीं बनी। चीका मंडी जाने के लिए मारकंडा नदी पर पुल निर्माण पर 8.14 करोड़ खर्च हो गए, पर काम अधूरा है। पानीपत में स्टेडियम पर 1.66 करोड़ रु. खर्च होने के बावजूद काम अधूरा है।

अफसरों को विधायकों के साथ प्रोटोकॉल का सर्कुलर जारी करें

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | कोसली विधायक की ओर से पाल्हावास सब डिविजनल के असिस्टेंट इंजीनियर (एई) के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की शिकायत को लेकर विशेषाधिकार समिति ने अपनी रिपोर्ट सदन में रखी। इसमें कहा गया कि एई उमेश ने बिना शर्त माफी मांग ली है। इसके साथ भरोसा दिलाया गया कि वह अपनी ड्यूटी ईमानदारी से करेंगे और जनप्रतिनिधियों व आम लोगों को आगे से कोई परेशानी नहीं होगी। कमेटी ने टिप्पणी भी की है कि कमेटी यह देखकर दुखी है कि बार बार जोर देने के बावजूद अधिकारी प्रोटोकॉल के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं।

इसलिए कमेटी मुख्य सचिव से सिफारिश करती है कि वह सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को सर्कुलर भेजें, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों की वजह से विधायक को उनके ऑफिशियल काम में कोई परेशानी न हो। कमेटी ने इस मामले में 10 मीटिंग कीं। चार मीटिंग में कोरम ही पूरा नहीं था।

बता दें कि कोसली विधायक ने कमेटी के सामने अपनी शिकायत में कहा था कि 26 मई को उन्हें सुम्माखेड़ा के सरपंच से वॉट्सएप पर एक मैसेज मिला। इसमें बताया गया था कि उनके गांव सुम्पाखेड़ा में खंभों पर लगे ट्रांसफॉर्मर खराब हालत में हैं। उन्हें ठीक करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि सरपंच कई बार संबंधित एसडीओ के ऑफिस गए, लेकिन उन्हें एसडीओ से कोई जवाब नहीं मिला। इस मामले में उन्होंने एई उमेश को शिकायत भेजी। इसके बाद कॉल पर उनके पीए के साथ गलत व्यवहार किया। साथ वे अपनी पब्लिक ड्यूटी नहीं कर रहे हैं।

60 प्रतिशत दिव्यांग अधिकारी को रिलीव करने के आदेश पर रोक

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| 60 प्रतिशत स्थायी दिव्यांगता से पीड़ित एक अधिकारी को सेवा से मुक्त करने के हरियाणा सरकार के आदेश पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ की अदालत ने स्पष्ट किया कि 5 फरवरी 2026 को जारी आदेश की कार्यवाही अगली सुनवाई तक प्रभावी नहीं होगी। मामले को 23 जुलाई 2026 के लिए सूचीबद्ध किया गया है और इसे समान प्रकृति के अन्य मामलों के साथ सुना जाएगा।

पदोन्नत अधिकारी ने दी चुनौतीः डेयरी सुपरवाइजर से पदोन्नत होकर डिप्टी जनरल मैनेजर बने याचिकाकर्ता विशंभर सिंह ने अपने रिलीविंग आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

उन्होंने दलील दी कि वे 60% स्थायी दिव्यांगता (पोस्ट पोलियो रेजिडुअल पैरालिसिस) से ग्रस्त हैं, दिव्यांगता प्रमाणपत्र के आधार पर बेंचमार्क दिव्यांग श्रेणी में आते हैं। वर्ष 1998 में नियुक्ति के बाद उनका सेवा रिकॉर्ड निष्कलंक रहा है और 2021 में उन्हें पदोन्नति भी मिली थी।

एचपीपीसी की बैठक में निर्णय-सरकारी भवनों व सचिवालयों की सुरक्षा होगी कड़ी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| प्रदेश के जिला सचिवालयों और सरकारी भवनों की सुरक्षा कड़ी की जाएगी। इसके लिए सरकार ने 163 सिंगल डोर एवं 183 सीसीटीवी इंटीग्रेटेड मल्टी जोन मेडल डोर मशीन खरीदने का निर्णय लिया है। यह निर्णय सीएम नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई हाई पावर परचेज कमेटी (एचपीपीसी) की बैठक में विभागों की विभिन्न खरीद प्रक्रियाओं लिया गया है। बैठक में 40 से अधिक को अंतिम रूप दिया है। बिजली, जनस्वास्थ्य, लोक निर्माण, सिंचाई, परिवहन, आईटी सहित अनेक विभागों की परियोजनाओं से जुड़े प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई तथा कई विकास कार्यों के टेंडर जारी किए गए।

बैठक में पलवल शहर में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए अमृत-2 योजना के तहत दो रेनीवेल तथा एक बूस्टिंग स्टेशन के निर्माण की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया।

इस परियोजना पर लगभग 100 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसी प्रकार महेंद्रगढ़ के गांव सिरोही बिहाली में 6 एमएलडी क्षमता के जलघर निर्माण की प्रक्रिया पूरी की गई, जिस पर 53.47 करोड़ रुपए व्यय होंगे। इस जलघर से आसपास के लगभग 39 गांवों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। रेवाड़ी शहर में 27 करोड़ रुपये की लागत से 8 एमएलडी क्षमता का रॉ-वाटर स्टोरेज टैंक भी बनाया जाएगा, जिससे शहर की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

ऊर्जा क्षेत्र में पानीपत और करनाल में 7 नए 33 केवी सब-स्टेशनों के लिए 57.25 करोड़ रुपए से ट्रांसफॉर्मर एवं अन्य उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी गई। सोनीपत, रोहतक और झज्जर में भी 7 नए 33 केवी सब-स्टेशनों के लिए 62.75 करोड़ के उपकरण खरीदे जाएंगे। अम्बाला व यमुनानगर में 40 करोड़ से 66-66 केवी के नए सब-स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा।

फरीदाबाद-गुरुग्राम में 200 इलेक्ट्रिक बसें आएंगी

प्रधानमंत्री सिटी बस सेवा के तहत फरीदाबाद व गुरुग्राम में 200 सिटी इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध करवाने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया। अम्बाला में 13 करोड़ व हिसार में 14 करोड़ से ई-बस डिपो का निर्माण किया जाएगा। परिवहन विभाग के लिए 19 क्रेनों की खरीद को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। फरीदाबाद में 16.50 करोड़ रुपए की लागत से जिमखाना क्लब का निर्माण किया जाएगा।

झज्जर में सड़क के सुदृढ़ीकरण के लिए 37.89 करोड़ की योजना को मंजूरी दी गई। टोहाना में धारसूल-रतिया सड़क के सुदृढ़ीकरण पर 46.20 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 9.37 करोड़ रुपये की लागत से राजकीय महिला महाविद्यालय, गुरुग्राम में शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण और 13.60 करोड़ रुपये की लागत से फतेहाबाद में आबकारी भवन का निर्माण किया जाएगा।

संपादकीय...

सुरक्षा: नियम नहीं, यह आपके परिवार का विश्वास है...

सड़कें विकास की धमनियां हैं, जो हमें मंजिल तक पहुंचाती हैं। लेकिन जब इन्हीं सड़कों पर बिखरा हुआ खून और टूटे हुए शीशे नजर आते हैं, तो रूह कांप उठती है। आज सड़क हादसे महज आंकड़े बनकर रह गए हैं, पर हकीकत में हर हादसा एक उजड़ता हुआ आशियाना और अधूरे सपनों की चीख है। सवाल यह है कि आखिर हम कब समझेंगे कि सड़क पर बरती गई चंद सेकंड की लापरवाही पूरे जीवन का अंधकार बन सकती है?

रफ्तार का भ्रम और कड़वा सच : आज की युवा पीढ़ी में रफ्तार एक नशे की तरह घर कर गई है। 'पाँच मिनट जल्दी पहुँचने' की होड़ और 'एड्रेनालाईन रश' के चक्कर में हम यह भूल जाते हैं कि घर पर कोई हमारा इंतजार कर रहा है। सड़क पर किया गया ओवरटेक या स्टंट बहादुरी नहीं, बल्कि बेवकूफी है। जब एक जवान बेटा सड़क हादसे का शिकार होता है, तो सिर्फ एक जान नहीं जाती, बल्कि उस बूढ़े बाप की लाठी और माँ की ममता हमेशा के लिए टूट जाती है।

मान मानसिकता ही सबसे बड़ी ढाल है : पुलिस नाके लगाती है, चालान काटती है और जागरूकता अभियान भी चलाती है। लेकिन सुरक्षा तब तक संभव नहीं है जब तक हमारी 'मानसिकता' नहीं बदलती। हेलमेट को बोझ समझना और सीट बेल्ट को मजबूरी मानना हमारी सबसे बड़ी भूल है। याद रखिए, नियम आपको रोकने के लिए नहीं, बल्कि आपको सुरक्षित घर पहुँचाने के लिए बनाए गए हैं। नशे की हालत में स्टीयरिंग थामना खुदकुशी नहीं, बल्कि दूसरों की हत्या करने जैसा अपराध है।

जिम्मेदारी का सफर : सड़क सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, यह एक सामाजिक अनुबंध है। मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए गाड़ी चलाना एक मौत का निमंत्रण है। एक सेकंड का मैसेज आपकी जिंदगी के आखिरी शब्द साबित हो सकता है। हमें अपने बच्चों को बचपन से ही यातायात के नियमों का सम्मान करना सिखाना होगा।

सड़कें जीवन की राह होनी चाहिए, मौत का मोड़ नहीं। 'राजधानी चौपाल' आप सभी से अपील करता है कि सड़क पर धैर्य रखें। आपकी जिंदगी की कीमत किसी भी 'जल्दबाजी' से कहीं ज्यादा है। सुरक्षा को अपनी आदत बनाइए, मजबूरी नहीं। याद रखें, सफर में सावधानी ही सुखद भविष्य की गारंटी है।

राहुल हिंदुस्तानी
संपादक
राजधानी चौपाल

देवभूमि से नशा मुक्ति का रण

राजधानी चौपाल का संकल्प...

हरियाणा - वह पावन धरा जहाँ गीता का उपदेश गूँजा, वह माटी जिसने देश को सबसे अधिक पदक विजेता खिलाड़ी और सीमा पर सीना तानकर खड़े होने वाले वीर सपूत दिए। लेकिन आज उसी माटी की कोख पर 'नशे' का ग्रहण लगा है। पंजाब से लगती सीमाओं से होता हुआ यह ज़हर अब हरियाणा के रग-रग में समाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे दौर में, जब चुप्पी साध लेना सबसे आसान होता है, 'राजधानी चौपाल' ने एक मशाल उठाने का निर्णय लिया है। संपादक राहुल हिंदुस्तानी के नेतृत्व में यह समाचार पत्र अब केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि 'नशा मुक्त हरियाणा' के अभियान का सारथी बन चुका है।

नशा: एक अदृश्य दुश्मन जो घर उजाड़ रहा है

नशा केवल एक व्यक्ति को खत्म नहीं करता, बल्कि एक हँसते-खेलते परिवार को कब्रिस्तान में तब्दील कर देता है। हरियाणा के गाँवों से लेकर शहरों तक, 'चिट्टा', सिंथेटिक ड्रग्स और शराब की लत युवाओं की मेधा को चाट रही है।

संपादक राहुल हिंदुस्तानी अपनी कलम से यह कड़वा सच बयां करते हैं कि जिस युवा को अखाड़े में पसीना बहाना चाहिए था, वह आज सुनसान गलियों में नशे के इंजेक्शन के साथ मिल रहा है। यह समाज के लिए सबसे बड़ी चेतावनी है।

साइबर सिटी और औद्योगिक हब: गुरुग्राम-मानेसर की उभरती चुनौतियां

- गुरुग्राम और मानेसर जैसे क्षेत्र, जिन्हें हम भारत का भविष्य और 'मिलेनियम सिटी' कहते हैं, आज नशे के सौदागरों के निशाने पर हैं।
- **आधुनिकता का अभिशाप:** चकाचौंध भरी जिंदगी और अकेलेपन ने युवाओं को 'पार्टी ड्रग्स' और नशे की ओर धकेला है।
- **मजदूर और युवा वर्ग:** मानेसर की फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूर से लेकर गुरुग्राम के कॉर्पोरेट ऑफिसों में बैठने वाले युवाओं तक, नशा एक स्टेटस सिंबल और तनाव मिटाने का साधन बनता जा रहा है।
- **चौपाल का विश्लेषण:** राहुल हिंदुस्तानी का मानना है कि यदि गुरुग्राम और मानेसर की युवा शक्ति नशे की गर्त में चली गई, तो हरियाणा की अर्थव्यवस्था और प्रगति का पहिया थम जाएगा।

'राजधानी चौपाल' की सक्रिय भूमिका: कागज़ से जमीन तक

आमतौर पर समाचार पत्र खबरें छापकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेते हैं, लेकिन 'राजधानी चौपाल' ने इस परिपाटी को तोड़ा है।

- **संपादक का नेतृत्व:** राहुल हिंदुस्तानी खुद उन बस्तियों और स्कूलों में पहुँच रहे हैं जहाँ नशे का प्रभाव अधिक है।
- **टीम का समर्पण:** चौपाल की टीम ने गुमनाम रहकर उन ठिकानों की पहचान की है जहाँ नशे का कारोबार फलता-फूलता है और प्रशासन को सतर्क किया है।
- **मंच से महासंग्राम:** यह अब केवल एक न्यूज़ पोर्टल या अखबार नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जहाँ पीड़ित परिवार अपनी बात रख सकते हैं और सहायता पा सकते हैं।

जागरूकता का 'चौपाल मॉडल': संवाद से सुधार तक

जागरूकता केवल भाषणों से नहीं आती, वह आपसी संवाद से आती है। राजधानी चौपाल ने 'संवाद' को ही अपना मुख्य हथियार बनाया है।

- **स्कूलों में दस्तक:** टीम चौपाल ने तय किया है कि वे हर जिले के कम से कम 100 स्कूलों में जाकर बच्चों को 'नो टू ड्रग्स' की शपथ दिलाएंगे।
- **सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय:** एनजीओ और धार्मिक संस्थाओं को एक मंच पर लाकर एक सामूहिक शक्ति तैयार की गई है।
- **डिजिटल वॉरफेयर:** फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब के माध्यम से प्रेरक कहानियाँ और नशे के खिलाफ शॉर्ट फिल्में प्रसारित की जा रही हैं ताकि युवा अपनी भाषा में सच को समझ सकें।

समाज के हर वर्ग का आह्वान: एक साझा जिम्मेदारी

नशा मुक्ति केवल पुलिस या सरकार का काम नहीं है। संपादक राहुल हिंदुस्तानी इस लेख के माध्यम से समाज के हर स्तंभ से अपील करते हैं:

- **माता-पिता के लिए:** अपने बच्चों की बदलती आदतों पर नज़र रखें। संवाद की खिड़की कभी बंद न होने दें।
- **शिक्षकों के लिए:** शिक्षक केवल पाठ्यक्रम न पढ़ाएं, बल्कि जीवन का पाठ भी पढ़ाएं।
- **जनप्रतिनिधियों के लिए:** वोटों की राजनीति से ऊपर उठकर अपनी विधानसभा और वार्ड को 'ड्रग फ्री जोन' घोषित करवाएं।

भविष्य का रोडमैप: कैसा होगा हमारा हरियाणा?

राजधानी चौपाल का लक्ष्य स्पष्ट है—एक ऐसा हरियाणा जहाँ हर युवा का हाथ नशे की सुई नहीं, बल्कि खेल का उपकरण या कलम थामे। जहाँ सुबह की शुरुआत शराब के ठेकों से नहीं, बल्कि दूध-दही के खान-पान और अखाड़ों की मिट्टी की खुशबू से हो।

- **संपादक राहुल हिंदुस्तानी के शब्द:** "हम तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक हरियाणा के हर घर से नशे का साया हट नहीं जाता। हमारी कलम उन सौदागरों के खिलाफ तलवार की तरह चलती रहेगी और भटकते युवाओं के लिए दीपस्तंभ का काम करेगी।"

राहुल हिंदुस्तानी की कलम से...
संपादक – राजधानी चौपाल

राजधानी चौपाल विशेष अपील...

यदि आपके आसपास कोई नशे के कारोबार में लिप्त है या कोई युवा इस लत से बाहर निकलना चाहता है, तो बेझिझक राजधानी चौपाल की टीम से संपर्क करें। आपकी पहचान गुप्त रखी जाएगी।

नशे के खिलाफ यह लड़ाई लंबी है, लेकिन असंभव नहीं। जब 'राजधानी चौपाल' जैसा विश्वसनीय नाम आपके साथ है, तो जीत निश्चित है। यह समय उदासीनता छोड़ने का है। यदि आज हम नहीं जागे, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी माफ नहीं करेंगी।

युवा, नशा और बदलता समाज...

बदलते दौर की सबसे बड़ी चुनौती

देश बदल रहा है। शहरों की रफ्तार तेज है, गांवों की सोच भी अब आधुनिक हो रही है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने दुनिया को हथेली पर ला दिया है। लेकिन इसी बदलते दौर के साथ एक ऐसी चुनौती भी चुपचाप पनप रही है, जो आने वाली पीढ़ी की जड़ों को कमजोर कर रही है। यह चुनौती है – युवाओं में बढ़ता नशा। आज सवाल यह नहीं कि नशा है या नहीं। सवाल यह है कि आखिर यह इतना तेजी से क्यों फैल रहा है? और उससे भी बड़ा सवाल – इसे रोकने की जिम्मेदारी किसकी है?

सपनों की उम्र में जहर का असर

युवा वह उम्र होती है जब आंखों में सपने होते हैं, दिल में जोश होता है और दिमाग में नई उड़ान की चाहत। लेकिन जब यही उम्र नशे की गिरफ्त में आ जाती है तो सपनों की उड़ान जमीन पर गिर जाती है। स्कूल-कॉलेज के बाहर, पार्टी संस्कृति, दिखावे की होड़ और गलत संगत के कारण कई युवा धीरे-धीरे इस दलदल में उतरते जा रहे हैं। शुरुआत मज़ाक में होती है, फिर आदत बनती है और बाद में लत। यह लत सिर्फ शरीर को नहीं, बल्कि पूरे परिवार को खोखला कर देती है।

परिवार की टूटी उम्मीदें

जब घर का युवा नशे की चपेट में आता है तो सबसे पहले माता-पिता का विश्वास टूटता है। जिन बच्चों को उंगली पकड़कर चलना सिखाया, जिनके लिए दिन-रात मेहनत की, वही बच्चे जब गलत रास्ते पर चल पड़ते हैं तो माता-पिता के सपने बिखर जाते हैं। घर का माहौल तनावपूर्ण हो जाता है। छोटी-छोटी बातों पर झगड़े, आर्थिक बोझ, सामाजिक बदनामी – यह सब मिलकर परिवार को मानसिक रूप से तोड़ देता है। नशा सिर्फ एक व्यक्ति की आदत नहीं, पूरे परिवार की सजा बन जाता है।

सामाजिक प्रतिष्ठा पर गहरा आघात

समाज में इज्जत बनाना वर्षों की मेहनत मांगता है, लेकिन उसे खोने में कुछ पल ही काफी होते हैं। जब किसी परिवार का सदस्य नशे में लिप्त पाया जाता है तो समाज की नजरें बदल जाती हैं। रिश्ते टूटने लगते हैं, लोग दूरी बनाने लगते हैं। कई बार तो शादी-ब्याह तक प्रभावित हो जाते हैं। नशे की वजह से सिर्फ व्यक्ति नहीं, पूरा परिवार समाज में कटघरे में खड़ा हो जाता है।

बेरोजगारी और भटकाव का रिश्ता

बढ़ती बेरोजगारी भी युवाओं को गलत दिशा में धकेल रही है। जब डिग्री हाथ में हो लेकिन नौकरी न हो, जब मेहनत के बाद भी अवसर न मिले, तब कई युवा निराशा के शिकार हो जाते हैं। यह निराशा धीरे-धीरे अवसाद में बदलती है और फिर नशे का सहारा लेने लगती है। सरकारों को रोजगार के अवसर बढ़ाने होंगे, स्किल डेवलपमेंट को मजबूत करना होगा और युवाओं को सही मार्गदर्शन देना होगा।

खेल: नशे का सबसे बड़ा इलाज

अगर युवाओं को नशे से दूर रखना है तो उन्हें खेलों से जोड़ना होगा। खेल सिर्फ शरीर को मजबूत नहीं बनाते, बल्कि मानसिक संतुलन भी देते हैं। जब युवा मैदान में पसीना बहाता है तो उसके भीतर अनुशासन, टीमवर्क और सकारात्मक ऊर्जा विकसित होती है। गांव-गांव में खेल मैदान, खेल प्रतियोगिताएं और कोचिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तो नशे की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है।

राजधानी चौपाल की अपील

राजधानी चौपाल अपने पाठकों से अपील करता है कि अपने आसपास नशे के खिलाफ आवाज उठाएं। युवाओं को खेल, शिक्षा और सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। अगर किसी घर में कोई सदस्य नशे की गिरफ्त में है तो उसे ताने न दें, बल्कि सहारा दें।

समझदारी, संवेदनशीलता और सामूहिक प्रयास से ही यह जंग जीती जा सकती है।

स्कूलों में जागरूकता की जरूरत

स्कूल और कॉलेज सिर्फ पढ़ाई के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की प्रयोगशाला हैं। यहां नियमित रूप से नशा मुक्ति अभियान चलाए जाने चाहिए। छात्रों को यह बताया जाना चाहिए कि नशा कैसे शरीर और दिमाग को नुकसान पहुंचाता है। असली हीरो वही है जो खुद को अनुशासन में रखे, न कि वह जो गलत आदतों को स्टाइल समझे। शिक्षकों की भूमिका यहां सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है।

मीडिया की जिम्मेदारी

मीडिया समाज का आईना है। अगर मीडिया सकारात्मक अभियान चलाए, नशे के खिलाफ जनजागरण करे, तो बड़ा बदलाव संभव है। अखबार, टीवी, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म – सभी को मिलकर इस मुद्दे को प्रमुखता देनी चाहिए। राजधानी चौपाल का यह स्पष्ट मानना है कि नशे के खिलाफ लड़ाई सिर्फ प्रशासन की नहीं, पूरे समाज की है।

कानून सख्त, लेकिन लागू कौन करे?

देश में नशे के खिलाफ सख्त कानून मौजूद हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या उनका प्रभावी पालन हो रहा है? कई बार तस्करी, अवैध बिक्री और स्थानीय मिलीभगत की खबरें सामने आती हैं। अगर प्रशासन सख्ती दिखाए और ईमानदारी से कार्रवाई करे तो नशे के जाल को तोड़ा जा सकता है। सिर्फ कागजों में कानून बनाना काफी नहीं, जमीन पर अमल जरूरी है।

युवाओं को रोल मॉडल की जरूरत

आज का युवा किसी को फॉलो करता है। अगर उसे सही दिशा दिखाने वाला रोल मॉडल मिले तो वह भटकाव से बच सकता है। खिलाड़ी, समाजसेवी, सफल उद्यमी और सकारात्मक सोच वाले लोग युवाओं के प्रेरणास्रोत बन सकते हैं। हमें ऐसी हस्तियों को आगे लाना होगा जो मेहनत और ईमानदारी से सफलता की मिसाल हों।

नशा छोड़ने के बाद जीवन में बदलाव

जो व्यक्ति नशा छोड़ देता है, उसके जीवन में अद्भुत परिवर्तन आता है। परिवार में खुशहाली लौटती है, आर्थिक स्थिति सुधरती है और आत्मविश्वास बढ़ता है। बच्चों की आंखों में फिर से सम्मान झलकता है, पत्नी के चेहरे पर मुस्कान लौटती है और माता-पिता को सुकून मिलता है। नशा छोड़ना कठिन जरूर है, लेकिन असंभव नहीं।

समाज को मिलकर उठाना होगा कदम

यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं है। हर माता-पिता, हर शिक्षक, हर समाजसेवी और हर जनप्रतिनिधि को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। अगर हम आज जागरूक नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी। समय आ गया है कि हम सिर्फ चर्चा न करें, बल्कि ठोस कदम उठाएं।

राहुल हिंदुस्तानी की कलम से...
संपादक – राजधानी चौपाल

लापरवाही की रफ्तार और मौत का मोड़

सड़कें जीवन की राह हैं, मौत की नहीं

सड़कें विकास की धमनियां होती हैं। इन्हीं रास्तों से बच्चे स्कूल जाते हैं, किसान मंडी पहुंचते हैं, कर्मचारी दफ्तर और मरीज अस्पताल। लेकिन जब यही सड़कें लापरवाही और जल्दबाजी की भेंट चढ़ जाती हैं, तो जीवन की राह मौत के मोड़ में बदल जाती है। आज सड़क सुरक्षा केवल एक नियम नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी है। सवाल यह है कि आखिर हम कब समझेंगे कि हेलमेट, सीट बेल्ट और ट्रैफिक नियम हमारी आज़ादी को सीमित नहीं, बल्कि हमारी जिंदगी को सुरक्षित करते हैं?

रफ्तार का जुनून, घरों में मातम

आज सैकड़ों युवा तेज रफ्तार के शौक में अपनी जान गंवा रहे हैं। कोई घर का इकलौता बेटा था, कोई नई-नई शादी के बाद पति बना था, कोई बहन का सहारा था। एक पल की जल्दबाज़ी, एक ओवरटेक की गलती, एक रेड लाइट तोड़ने का जोखिम — और पूरा परिवार जिंदगी भर का दर्द झेलने को मजबूर हो जाता है। सड़क हादसे सिर्फ आंकड़े नहीं होते, वे अधूरे सपनों की कहानी होते हैं।

पुलिस प्रशासन सक्रिय, लेकिन सोच निष्क्रिय

हम अक्सर पुलिस प्रशासन को दोष देते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि आज पुलिस लगातार जागरूकता अभियान चला रही है, चालान काट रही है, नाके लगा रही है। फिर भी लोग नियमों का पालन करने से बचते हैं। हेलमेट हाथ में टांग लेते हैं, सीट बेल्ट पीछे लगा लेते हैं, मोबाइल पर बात करते हुए गाड़ी चलाते हैं। जब तक मानसिकता नहीं बदलेगी, तब तक सख्ती भी सीमित असर ही डालेगी।

जल्दबाज़ी: हर हादसे की जड़

आज हर व्यक्ति जल्दी में है। पांच मिनट बचाने की होड़ में हम जिंदगी के कई साल खो देते हैं। सवाल यह है कि क्या सचमुच वह पांच मिनट इतने कीमती हैं कि उनके लिए हम अपने बच्चों को अनाथ और माता-पिता को बेसहारा छोड़ दें? सड़क पर धैर्य ही सुरक्षा की पहली शर्त है।

युवा पीढ़ी को समझना होगा जोखिम

आज की युवा पीढ़ी में बाइक स्टंट, तेज रफ्तार और सोशल मीडिया पर रील बनाने का जुनून बढ़ता जा रहा है। सड़क कोई स्टेज नहीं है और न ही बाइक कोई खिलौना। जरूरत है स्कूलों और कॉलेजों में रोड सेफ्टी को एक विषय की तरह पढ़ाने की, ताकि कम उम्र से ही जिम्मेदारी की भावना विकसित हो।

हेलमेट और सीट बेल्ट: जीवन की ढाल

अक्सर लोग कहते हैं, "पास ही तो जाना है।" लेकिन हादसा दूरी देखकर नहीं आता। हेलमेट सिर की सुरक्षा करता है, सीट बेल्ट छाती और सिर को झटके से बचाती है। ये छोटी सावधानियां बड़े हादसों से बचा सकती हैं। इसे मजबूरी नहीं, आदत बनाना होगा।

राजधानी चौपाल का आह्वान...

राजधानी चौपाल के माध्यम से मैं सभी पाठकों से अपील करता हूं – सड़क पर निकलें तो जिम्मेदारी के साथ निकलें। अपनी रफ्तार पर नियंत्रण रखें, नियमों का पालन करें और दूसरों को भी प्रेरित करें। याद रखिए, कोई आपका इंतजार घर पर कर रहा है।

सड़कें हमें मंजिल तक पहुंचाने के लिए हैं, अंतिम यात्रा के लिए नहीं।

आइए, मिलकर संकल्प लें – सुरक्षित चलेंगे, सुरक्षित पहुंचेंगे।

शराब और वाहन: घातक संयोजन

नशे की हालत में वाहन चलाना खुद के साथ-साथ दूसरों की जान जोखिम में डालना है। कई परिवार सिर्फ इसलिए उजड़ जाते हैं क्योंकि किसी ने पार्टी के बाद गाड़ी खुद चलाने का फैसला किया। यह निर्णय नहीं, अपराध है। समाज को इस मानसिकता के खिलाफ खड़ा होना होगा।

मोबाइल फोन: ध्यान भटकाने वाला दुश्मन

ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल आज सबसे बड़ी समस्या बन चुका है। एक सेकंड का ध्यान भटकना भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। संदेश बाद में भी पढ़ा जा सकता है, लेकिन जिंदगी दोबारा नहीं मिलती।

सड़क सुरक्षा में समाज की भागीदारी जरूरी

सिर्फ सरकार और पुलिस के भरोसे सड़क सुरक्षा संभव नहीं है। माता-पिता अपने बच्चों को नियमों का महत्व समझाएं, स्कूल जागरूकता कार्यक्रम चलाएं, सामाजिक संगठन अभियान चलाएं। जब पूरा समाज मिलकर जिम्मेदारी उठाएगा, तभी बदलाव आएगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर और जिम्मेदारी दोनों जरूरी

सरकार को भी सुरक्षित सड़कें, सही संकेतक, स्पीड ब्रेकर और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। लेकिन मजबूत सड़कें भी तब बेकार हैं जब चालक की सोच कमजोर हो। नियम और सुविधा तभी कारगर हैं जब नागरिक जिम्मेदार हों।

हर घर से उठे सुरक्षा की आवाज

अगर हर घर यह संकल्प ले कि बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के वाहन नहीं चलाएंगे, नाबालिग बच्चों को वाहन नहीं देंगे और ट्रैफिक नियमों का पालन करेंगे, तो सड़क हादसों में भारी कमी लाई जा सकती है। बदलाव की शुरुआत घर से ही होती है।

दुर्घटना के बाद नहीं, पहले जागें

हम अक्सर किसी हादसे के बाद कुछ दिन सावधान रहते हैं, फिर सब भूल जाते हैं। जरूरत है स्थायी जागरूकता की। हर दिन, हर सफर को सुरक्षित बनाने का संकल्प लेना होगा।

मानव जीवन का मूल्य समझें

एक इंसान की जान की कीमत कोई मुआवजा नहीं चुका सकता। सड़क सुरक्षा नियम कोई सरकारी औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का माध्यम हैं। जब हम नियम तोड़ते हैं, तो सिर्फ कानून नहीं, अपने परिवार के विश्वास को भी तोड़ते हैं।

राहुल हिंदुस्तानी की कलम से...
संपादक – राजधानी चौपाल

चौथा दिन पीएम मोदी ने कहा- भारत को एआई में 'भय' नहीं 'भाग्य' दिखता है, एआई आधारित दुनिया के लिए 'MANAV' विजन दिया

क्या एआई से बना, क्या असली है... लेबल करना जरूरी : मोदी

भारत मेडमम (नई दिल्ली) (राजधानी चौपाल) | पीएम नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट का गुरुवार को उदघाटन किया। इस दौरान उन्होंने एआई के लिए मानव (MANAV) विजन पेश किया। उन्होंने कहा यह 21वीं सदी की एआई आधारित दुनिया में मानव कल्याण की अहम कड़ी बनेगा। M मोस्ल एंड एधिकरन सिस्टम वानी एआई में इंसानियत व जिम्मेदारी हो। A- एकाउंटेवल यानी एआई पर नजर भी हो और जवाबदेही भी। N- नेशनल सॉलेनिटी यानी राष्ट्रीच स्वामित्व मतलब डेटा पर देश का हक सुरक्षित हो। A- एक्सेसेवल एंड इन्क्लूसिव यानी सुलभ और सबके लिए मतलब एआई पर एकाधिकार नहीं, वे सबके विकास का साधन बने। V- वैलिड एंड लेजिटिमेट यानी वैध और भरोसेमंद। मतलब एआई नियमों के दायरे में और विश्वास के साथ काम करे।

उन्होंने कहा कि आज की एक बहुत जरूरत ग्लोबल स्टैंडर्ड की है। डीपफेक... ओपन सोरखवटी में अस्थिरता ला रहा है। डिजिटल वर्ल्ड में कंटेंट में भी लेबल होने चाहिए, ताकि लोगों को पता चल सके कि क्या असली है और क्या एआई से बनाया गया है। आज दुनिया में दो तरह के लोग हैं, कुछ को एआई में भय दिखता है, दूसरे हैं जिन्हें इसमें भाग्य दिखता है। में जिम्मेदारी से कहता हूं कि हमें एआई में भय नहीं, भाग्य व भविन्य दिखता है। क्योंकि हमारे पास टैलेंट भी है, एनर्जी क्षमता भी है और नीतिगत स्पष्टता भी। उन्होंने दुनियाभर के टेक और कर्ल्ड लीडर्स को डिजाइन एंड डेवलप इन इंडिया, डिलीवर टू वर्ल्ड, डिलीवर टू ह्यूमेनिटी के लिए आमंत्रित किय।

सबसे छोटा स्पीकर; पिचाई और ऑल्टमैन जैसे दिग्गजों के बीच 8 साल के रणवीर ने समिट को संबोधित किया

आठ वर्षीय रणवीर सचदेवा एआई समिट में सबसे कम उम्र के कीनोट स्पीकर बनेः समिट के दौरान उन्होंने बताया कि वे एआई की मदद से प्राचीन भारतीय दर्शन को आधुनिक तकनीक से जोड़ने पर काम कर रहे हैं।

खास क्यों? 5 साल की उम्र में कोडिंग और एआई में दिलचस्पी लेनी शुरू की थी। उन्होंने एपल की 2023 की जल्र्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस के लिए विशेष स्वागत संदेश बनाया।

6 साल की उम्र मेंः एशिया के सबसे कम उम्र के टेडएक्स स्पोंकर चने। पहली किताब लिखी, जो एआई पर बच्चों के नजरिए पर है। संयुका राष्ट्र के 'एआई फॉर गुड ग्लोकल समिट' में वक्ता के रूप में शमिल हुए। 7 सालः इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन के 'टेक्नोलॉजी एम्बेसेडर' बने।

अंबानीः एआई को सस्ता करेंगे सैमः 'सुपर ब्रेन' बन जाएगा AI रिलायंस एआई पर 7 साल में 10 लाख करोड़ रु. का निवेश करेगा

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने समिट के दौरान कई बड़े ऐलान किल्य। उन्होंने कहा कि किस तरह जियो ने देश में डेटा सरत किया, उसी तरह एआई को भी आम भारतीय तक पहुंचाएंगे। जियो 'इंटरनेट युग' के बाद देश को 'इंटेलिजेंस युग' से भी जोड़ेगी। उन्होंने 7 वर्षों में एआई के क्षेत्र में 10 लाख करोड़ रु. के निवेश की भी घोषणा की। इसके तहत जामनगर में डेटा सेंटर विकसित करना शामिल है। 2026 के अंत तक 120 मेगावॉट क्षमता शुरू करने का लक्ष्य है। अंबानी ने कहा, 'लियो अपने नेटवर्क के जरिए देशभर में ऐसी कंप्यूट क्षमतां उपलब्ध कराएगा, जिससे एआई सेवाएं कम लागत और तेज गति से लोगों, दुकानों, स्कूलों, अस्पतालों और किसानों तक पहुंच सकें।' एआई से जुड़ी चिंताओं पर उन्होंने कहा, 'ये नौकरियां नहीं छीनेगा, चल्कि उच्च-कौशल वाले नए अवसर पैदा करेगा।' अंबानी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और आम इस्तेमाल के प्लेटफॉर्म भी पेश किए। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि एआई सॉफ्टवेयर सेक्टर को पूरी तरह बदल देगा। इससे कोडिंग पहले से कहीं अधिक आसान और तेज हो गई है, जिससे टेक कंपनियों के कामकाज में बड़ा बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि दुनिया 'सुपर इंटेलिजेंस' बनी 'सुपर ब्रेन' से अब कुछ साल दूर है। 2028 तक अधिकांश बौद्धिक क्षमता डेटा सेंटरों में समाहित हो जाएगी

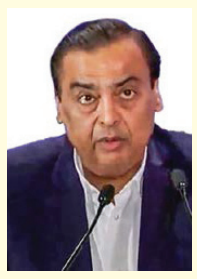

ऐतिहासिक समझौते की दहलीजः क्या है 'पैक्स सिलिका' और भारत की इसमें भूमिका?

नई दिल्ली के भव्य भारत मंडपम में संपन्न हुए 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने भारत के भाग्य में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। समिट के अंतिम दिन भारत और अमेरिका के बीच हस्ताक्षरित 'पैक्स सिलिका' घोषणापत्र केवल एक तकनीकी समझौता नहीं है, बल्कि यह चीन के तकनीकी प्रभुत्व को चुनौती देने वाला एक 'डिजिटल सुरक्षा कवच' है। इस गठबंधन का मुख्य उद्देश्य सेमीकंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी बनाना है। पिछले कुछ वर्षों में दुनिया ने देखा है कि कैसे वैश्विक चिप संकट ने ऑटोमोबाइल से लेकर मोबाइल इंडस्ट्री तक को पंगु बना दिया था। 'पैक्स सिलिका' का जन्म इसी संकट के स्थायी समाधान के रूप में हुआ है। इसमें भारत के शामिल होने का अर्थ है कि अब दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण तकनीक का बटन नई दिल्ली के हाथों में भी होगा। यह समझौता यह सुनिश्चित करता है कि चिप निर्माण के लिए आवश्यक कच्चे माल से लेकर अंतिम उत्पाद तक का सफर केवल मित्र देशों और लोकतांत्रिक राष्ट्रों के बीच ही तय होगा।

10 लाख नौकरियों का सैलाबः भारतीय युवाओं के लिए खुला 'डिजिटल कुबेर' का खजाना

राजधानी चौपाल के युवाओं और अभिभावकों के लिए सबसे उत्साहजनक खबर रोजगार के मोर्चे पर आई है। केंद्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने समिट के दौरान स्पष्ट किया कि इस समझौते के बाद भारत के सेमीकंडक्टर और एआई सेक्टर को अगले तीन वर्षों में 10 लाख से अधिक प्रशिक्षित पेशेवरों की आवश्यकता होगी। यह कोई साधारण श्रम बल नहीं होगा, बल्कि इसमें 'हाइ-एंड' विशेषज्ञ शामिल होंगे। भारत अब केवल बीपीओ या सॉफ्टवेयर सर्विस का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि यह 'डीप टेक' का गढ़ बनेगा। चिप डिजाइनिंग, सिलिकॉन फैब्रिकेशन, एआई सिक्योरिटी और नैनो-टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में करियर के ऐसे अवसर पैदा होंगे जो पहले केवल सिलिकॉन वैली में ही संभव थे। सरकार ने इसके लिए 'कौशल भारत 2.0' के तहत विशेष बजट आवंटित किया है, ताकि हमारे इंजीनियरिंग कॉलेजों से निकलने वाले छात्र सीधे इन अत्याधुनिक प्लांट्स में काम करने के योग्य बन सकें। यह 10 लाख नौकरियां भारत के मध्यम वर्ग की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह बदल कर रख देंगी।

स्वदेशी स्वाभिमानः 2-नैनोमीटर चिप का निर्माण और 10 मेगा प्लांट्स की धमक

जब हम तकनीक की बात करते हैं, तो 'नैनोमीटर' (nm) वह पैमाना है जो किसी देश की दिमागी ताकत को दर्शाता है। अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि भारतीय इंजीनियर अब देश के भीतर ही '2-नैनोमीटर' चिप डिजाइन कर रहे हैं। यह वही तकनीक है जिसके लिए अमेरिका और ताइवान के बीच वर्षों तक होड़ लगी रही। भारत का इस क्लब में शामिल होना यह साबित करता है कि हमारी प्रतिभा अब किसी से पीछे नहीं है। वर्तमान में गुजरात, उत्तर प्रदेश और दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों में 10 बड़े सेमीकंडक्टर प्लांट्स पर युद्धस्तर पर काम चल रहा है। मंत्री ने विश्वास दिलाया है कि बहुत जल्द 'मेड इन इंडिया' चिप का व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो जाएगा। इसका सीधा असर यह होगा कि भविष्य में आपके हाथ में मौजूद स्मार्टफोन, आपकी इलेक्ट्रिक कार और सेना के मिसाइल सिस्टम में भारत की अपनी चिप लगी होगी। यह आत्मनिर्भरता न केवल विदेशी मुद्रा की बचत करेगी बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी भारत को अभेद्य बनाएगी।

वैश्विक दिग्गजों का भारत पर दांवः सुंदर पिचाई और 200 अरब डॉलर का निवेश

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई का इस समिट में शामिल होना और 'पैक्स सिलिका' का पुरजोर समर्थन करना यह बताता है कि दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियां अब भारत को अपना भविष्य मानती हैं। पिचाई ने कहा कि गूगल भारत में एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए अपना निवेश दोगुना करेगा। सरकार का अनुमान है कि अगले दो वर्षों में सेमीकंडक्टर, एआई और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भारत में 200 बिलियन डॉलर (करीब 16 लाख करोड़ रुपये) का विदेशी निवेश आएगा। यह निवेश केवल फैक्ट्रियां लगाने के लिए नहीं, बल्कि अनुसंधान और विकास केंद्रों के लिए होगा। आज एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और एनवीडिया जैसी कंपनियां भारत को अपना दूसरा घर बना रही हैं। यह निवेश भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में सबसे बड़ा उत्प्रेरक साबित होगा।

इंडिया समिट (16 फरवरी से 21 फरवरी)

एआई से भारत की विकास दर 25% तक जा सकती हैः एन्थ्रोपिक सीईओ

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में टेक दिमाओं ने भारत में एआई आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए लाख करोड़ रुपए से अधिक के नियेत की घोषणा की है। एन्थोफिक के सीईओ डारिनी अमेदेई ने कहा, 'एआई का सबसे बड़ा लाभ भारत को मिलेगा।' उन्होंने कहा कि जहां विकसित देशों में एआई से 10% विकास दर संभव है, वहीं भारत में यह आकड़ा 25% तक पहुंचा सकता है। समिट के चौथे दिन यूएन के महानचिव एंटीनियों गुटेरस ने कहा बिक एआई का भविष्य सिपी कुछ देशों या अरबपतियों के हाथ में नहीं छोड़ना चाहिए। यह बड़ा मंखिम साबित हो सकता है। जानिए समिट दुनियाभर के टेक दिग्गजों ने क्या कहा

बदताय अपनाने वाले ही एआई के दौर में लीडर बनेंगे, मानवीय समझ की जरूरत बनी रहेगीः रिशद प्रेमजी

विप्रो के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रिशद प्रेमजी ने कहा कि एआई कुग में असली मूल्य पैदा करने के लिए संगठनों की खुद में बदलाव लाना होगा। एंटाइन सिस्टम अक्सर पुराने आइटिक्वर, बिखरे हुए देता के चलते जटिल होते हैं। ऐसे में एआई को सफल बनाने के लिए लीगेयी रिसटम का आधुनिकीकरण बेटा का मही क्यूरेशन और भरोसेमंद एलई इंटीग्रेशन जरूरी जरूरी है। एंटरपाइव में वहीं एआई मॉडल सफल होते हैं जो किसी विशेष प्रक्रिया या निर्णय से सीधे जुड़े होते हैं। जब एआई की स्पष्ट वर्कपलो के साथ जोड़ा जाता है, तो यह अधिक भरोसेमंद और प्रभावी बनता है। रही निर्णव के लिए मानवीय समक्ष और विवेक की भूमिका आगे भी रहेगी।

एआई अब प्रयोग नहीं, उद्योगों का ऑपरेशनल बैकबोन है, पर सभी को एकसमान लाभ जरूरीः सुनील मित्तल

भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील मित्तल ने कहा कि एआई अब केवल प्रयोग का विषय नाहीं रहा, बल्कि तेजी से ऑफरेतमाल बैंकबीन चनता जा रहा है। हेल्थकेयर, शिक्षा, मेडिकल साइंस और जीप रिसर्च जैसे क्षेत्र एआई के दम पर नई ऊंचाइयां छुएंगे। उन्हेंनि काहा कि भारती समूह में एआई पहले में नेटवर्क निम्बंग, प्रबंधन और ग्राहक सेवा का अभिन हिस्सा बन चुका है। एअर्थ डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी आहम भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि एआई का लाभ माझा होना चाहिए, इसका केंद्रीकरण मानवता के हित में नहीं है।

भारत में एआई का प्रभाव दुनिया के किसी भी अन्य देश से ज्यादा होगाः शांतनु नारायण

अहोवी के चेयरमैन और सीईओ शांतनु नारायण ने एआई के जरि पर्सनलाइज पेडिसिन (हर व्यक्ति की जहरत के हिसाब से अलग दवा और बड़े पैमाने पर विजिटल शिक्षा की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एलई के माध्यम से भारत का हर छात्र अपने डियइम पर दुनियाभर की जानकारियों तक पहुंच सकता है। भारत की विशाल आबादी और तेजी से बढ़ती डिजिटल पहुंच को देखते हुए उन्होंने कहा कि एआई का प्रभाव भारत में आगामी वर्षों में दुनिया के किसी भी अन्य देश से अधिक व्यापक हो सकता है। नारागण में डेटा, प्राइवेमी, सुरक्षा और भरोसे को एआई विकास का केंद्र बताया। इस मामले में उन्होंने 'कंटेट अचिटिसिटी और ओपन स्टेक को अहम माना।

बिजली, इंटरनेट की तरह दुनिया बदलेगा एआई, हर नागरिक तक पहुंचाएंगे तकनीक

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएम के चेयरमेन एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि वे एआई को 'बुद्धि का बुनियादी ढांचा' मानते है। जैसे बिजली चा इंटरनेट ने सुनिता बदली, वैसे ही एआई भी परिवर्तनकारी टेक्नोलॉजी है। उनका लक्ष्य एअर्थ टूल्स देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। टाटा समूह और ओपन एआई मिलकर भारत का पहला बड़े पैमाने का एआई-ऑप्टिमक्षा देठ सेंटर बनाएंगे। उन्होंने कहा कि रारा समूह चिप उत्पादन के क्षेत्र में उत्तर सहा है, जिसका जिसका पहला पहला फोकस ऑटोमोटिव सेक्टर पर होगा। टाटा समूह चिप से लेकर सिस्टम, डेटा सेंटर और एआई एजेंटार तक, पूरी वैल्यू देन पर काम कर रहा है।

15 इंजीनियर्स के 9 महीने का काम सिर्फ 14 दिनों में; जनरेटिव एआई लाएगा क्रांति

इंफोसिस के पूर्व सीईओ और वियानाई सिस्टम के संस्थापक विशाल सिम्मा ने कहा कि एआई का उद्देश्य सिर्फ आजीविका नहीं, बल्कि एक अरब उद्यमियों को सक्षम बनाबर जीवन को सार्थक चनाना होना चाहिए। भारत को जिम्मेवार और उद्देश्यपूर्ण एआई का नेतृत्व करना साहिए। जैनरेटिव एआई उत्पायकता में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। मसलन 15 इंजीनियरों का 9 महीने का काम एआई से 14 दिनों में संभव है। अबसर इस बात में है कि विक्रयसनीय, सत्यापन योग्य और सटीक सिस्टम विकसित किए जाएं। व्यावहारिक तौर पर एआई प्रभायणी तभी है जब गूजर उनकी क्षमताओं के साथ-साथ सीमाओं को भी समझे।

बजट में प्रीमियम अहसास! आईटेल A100 ने बदली सस्ते स्मार्टफोन की परिभाषा; बिना सिम नेटवर्क कॉलिंग जैसे चौंकाने वाले फीचर्स

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | भारतीय मोबाइल बाजार में कम बजट वाले ग्राहकों के लिए विकल्पों की कमी नहीं है, लेकिन आईटेल ने अपना नया हैंडसेट A100 उतारकर इस सेगमेंट में खलबली मचा दी है। लगभग एक सप्ताह के कड़े परीक्षण के बाद यह साफ है कि कंपनी ने मात्र 7,000 के दायरे में उन फीचर्स को समेटने की कोशिश की है, जो अब तक केवल महंगे स्मार्टफोन्स की जागीर माने जाते थे।

तकनीक का नया अवतारः 'अल्ट्रा लिंक' और फ्री रिप्लेसमेंट : आईटेल A100 की सबसे बड़ी क्रांतिकारी खूबी इसका 'अल्ट्रा लिंक' फीचर है। यह उन ग्रामीण या दूर-दराज के इलाकों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है जहाँ मोबाइल टावर के सिग्नल अक्सर दगा दे जाते हैं। इस तकनीक के माध्यम से यूजर बिना सिम नेटवर्क के भी दूसरे आईटेल फोन पर असीमित बात कर सकते हैं। इसके साथ ही, कंपनी ने '100 दिन की फ्री स्क्रीन रिप्लेसमेंट' का भरोसा देकर ग्राहकों की सबसे बड़ी चिंता (स्क्रीन टूटने का डर) को भी खत्म कर दिया है।

डिजाइन में 'दम' और स्टाइल में 'स्वैग'

पहली नजर में आईटेल A100 अपनी स्लिम बॉडी (8.49MM) और मैट फिनिश के कारण काफी महंगा अहसास कराता है। लेकिन असली ताकत इसकी मजबूती में है। इसे मिलिट्री ग्रेड सर्टिफिकेशन (MIL-STD-810H) प्राप्त है, जिसका अर्थ है कि यह रोजमर्रा के झटकों और गिरने की स्थिति में अन्य बजट फोन्स के मुकाबले कहीं अधिक टिकाऊ है। सिल्क ग्रीन और टाइटेनियम गोल्ड जैसे रंगों में इसका लुक काफी प्रोफेशनल नजर आता है।

डिस्प्ले और 'डायनामिक बार' का जादू

फोन में 6.6-इंच की बड़ी HD+ डिस्प्ले दी गई है, जिसमें 90HZ रिफ्रेश रेट का सपोर्ट मिलता है। बजट सेगमेंट में इतनी स्मूथ स्क्रॉलिंग मिलना सुखद आश्चर्य है। इतना ही नहीं, एप्पल के आईफोन की तर्ज पर इसमें 'डायनामिक बार' फीचर दिया गया है। यह बार स्क्रीन के ऊपरी हिस्से में बैटरी चार्जिंग, कॉल अलर्ट और अन्य नोटिफिकेशंस को बेहद स्टाइलिश अंदाज में पेश करता है।

परफॉर्मेंस - बैटरी बैकअप

आईटेल A100 एंड्रॉएड 15 (गो एडिशन) पर आधारित है, जो इसे लेटेस्ट सुरक्षा और तेज रफ्तार प्रदान करता है। इसमें 5000MAH की शक्तिशाली बैटरी दी गई है, जो सामान्य उपयोग पर आसानी से डेढ़ से दो दिन का बैकअप दे देती है। इसमें IR ब्लास्टर भी है, जिससे आप अपने फोन को ही टीवी या एसी का रिमोट बना सकते हैं।

एआई की दुनिया में सुरक्षा कवचः चैटजीपीटी में आए दो नए 'सेफ्टी मोड'; डेटा चोरी और साइबर ठगी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | दुनिया के सबसे लोकप्रिय एआई टूल 'चैटजीपीटी' की निर्माता कंपनी ओपनएआई ने यूजर्स के डेटा को सुरक्षित रखने के लिए दो बड़े सुरक्षा फीचर्स—'लॉकडाउन मोड' और 'एलिवेटेड रिस्क लेबल्स'—लॉन्च किए हैं। भारत जैसे देश में, जहाँ डिजिटल पेमेंट, आधार और ऑनलाइन बैंकिंग का इस्तेमाल चरम पर है, एआई के जरिए होने वाली डेटा चोरी को रोकने के लिए यह कदम बेहद अहम माना जा रहा है।

'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' का खतरा और बचाव : साइबर जगत में इन दिनों 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' नामक एक नया खतरा तेजी से फैल रहा है। इसमें हैकर्स किसी दस्तावेज या वेबसाइट के टेक्स्ट में छिपे हुए निर्देश डाल देते हैं। जब कोई यूजर उस टेक्स्ट को चैटजीपीटी से एनालाइज करवाता है, तो एआई अनजाने में उन निर्देशों को मानकर यूजर की गोपनीय जानकारी उजागर कर सकता है। नए फीचर्स इसी तरह की 'डिजिटल सेंधमारी' को रोकने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

साइबर सुरक्षा के 3 बड़े सुरक्षा सूत्र

1. अलर्ट रहें	2. मोड बदलें	3. सावधानी
एआई को कोई भी फाइल देने से पहले 'रिस्क लेबल' जरूर चेक करें।	संवेदनशील ऑफिस डेटा के लिए हमेशा 'लॉकडाउन मोड' का उपयोग करें।	किसी भी संदिग्ध वेबसाइट के टेक्स्ट को बिना जांचे एआई से एनालाइज न करवाएं।

एलिवेटेड रिस्क लेबलः खतरे की पहले मिलेगी चेतावनी : यह फीचर एक स्मार्ट अलार्म की तरह काम करेगा। यदि यूजर किसी ऐसे वेब-कनेक्टेड टूल या बाहरी वेबसाइट का इस्तेमाल कर रहा है जो डेटा एक्सपोज कर सकती है, तो चैटजीपीटी स्क्रीन पर तुरंत 'रिस्क लेबल' दिखाएगा। इससे यूजर को पहले ही पता चल जाएगा कि संबंधित साइट या फाइल के साथ आगे बढ़ना सुरक्षित है या नहीं। यह फीचर उन लोगों के लिए रामबाण है जो अनजान वेबसाइट्स का डेटा एआई से प्रोसेस करवाते हैं।

लॉकडाउन मोडः संवेदनशील डेटा के लिए 'सेफ हाउस' : चैटजीपीटी का 'लॉकडाउन मोड' ऑन करते ही एआई बाहरी सिस्टम और थर्ड-पार्टी ऐप्स के साथ अपना कनेक्शन सीमित कर देता है। यह फीचर विशेष रूप से सरकारी अधिकारियों, कॉर्पोरेट लीडर्स, पत्रकारों और उन लोगों के लिए तैयार किया गया है जो बेहद संवेदनशील जानकारी के साथ काम करते हैं। इस मोड में डेटा लीक होने की गुंजाइश लगभग खत्म हो जाती है।

एक्स्ट्रा चीज का शौक....

कहीं आपके दिल पर भारी न पड़ जाए पिघलता हुआ स्वाद...

आज के आधुनिक खान-पान में 'चीज' एक वैश्विक आइकन बन चुका है। पेरिस की गलियों से लेकर हुबली के मठों के पास मिलने वाले आधुनिक कैफे और हरियाणा के ढाबों तक, चीज ने अपनी पैठ बना ली है। रेस्टोरेंट्स के विज्ञापनों में 'चीज बर्स्ट' और 'मेल्टेड चीज' के दृश्य उपभोक्ताओं को मनोवैज्ञानिक रूप से आकर्षित करते हैं। लेकिन स्वाद के इस सुनहरे जाल के पीछे छिपे पोषण और सावधानियों को समझना हर जागरूक नागरिक के लिए अनिवार्य है।

1. चीज का उद्भव और निर्माण प्रक्रिया

चीज का इतिहास हजारों साल पुराना है। यह दूध को संरक्षित करने की एक कला है। लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि से यह एक जैव-रासायनिक प्रक्रिया है।

निर्माण के चरण:

- **दूध का चयन:** सबसे पहले गाय, भैंस, बकरी या भेड़ के दूध को आधार बनाया जाता है। दूध की गुणवत्ता ही चीज के अंतिम स्वाद को तय करती है।
- **पाश्चुरीकरण और अम्लीकरण:** दूध को गर्म करके उसमें 'स्टार्टर कल्चर' (स्वस्थ बैक्टीरिया) डाले जाते हैं। ये बैक्टीरिया दूध में मौजूद लैक्टोज को लैक्टिक एसिड में बदल देते हैं।
- **स्कंदन:** इस चरण में 'रेनेट' नामक एंजाइम मिलाया जाता है, जो दूध के प्रोटीन (केसीन) को आपस में जोड़कर एक ठोस दही जैसा ढांचा बनाता है।
- **कटिंग और ड्रेनिंग:** इस ठोस हिस्से को छोटे टुकड़ों में काटकर 'व्हे' (तरल हिस्सा) अलग किया जाता है।
- **नमक और पकना:** अंत में इसमें नमक मिलाया जाता है और इसे हफ्तों से लेकर सालों तक 'एजिंग' के लिए रखा जाता है। यही वह समय है जब चीज अपना विशेष टेक्सचर और फ्लेवर प्राप्त करता है।

2. चीज बनाम पनीर: एक गहरा पोषण संबंधी अंतर

भारतीय समाज में अक्सर 'चीज' और 'पनीर' को पर्यायवाची मान लिया जाता है, जबकि इनके प्रभाव और प्रकृति में जमीन-आसमान का अंतर है।

- **किण्वन:** पनीर में कोई किण्वन नहीं होता, इसलिए यह 'फ्रेश चीज' की श्रेणी में आता है। चीज एक फर्मेंटेड प्रोडक्ट है, जो इसे प्रोबायोटिक गुणों से संपन्न बनाता है।
- **सोडियम की मात्रा:** पनीर में प्राकृतिक रूप से सोडियम बहुत कम होता है। इसके विपरीत, चीज को सुरक्षित रखने के लिए इसमें भारी मात्रा में नमक डाला जाता है, जो हाई बीपी के मरीजों के लिए चिंता का विषय है।
- **पाचन:** पनीर का प्रोटीन सुपाच्य होता है, लेकिन कुछ प्रकार के 'एज्ड चीज' लैक्टोज इंटॉलरेंस वाले लोगों के लिए पनीर से बेहतर हो सकते हैं क्योंकि पकने की प्रक्रिया के दौरान लैक्टोज टूट जाता है।

चीज के विविध प्रकार और उनके स्वास्थ्य लाभ

बाजार में उपलब्ध हर चीज एक समान नहीं होती। स्वास्थ्य के नजरिए से उनका वर्गीकरण समझना जरूरी है:

- **मोज़ेरेला :** इसमें सोडियम और कैलोरी अन्य चीज के मुकाबले कम होती है। इसमें लैक्टोबैसिलस केसई जैसे प्रोबायोटिक्स होते हैं जो आंतों के लिए अच्छे हैं।
- **चेडर:** यह विटामिन K2 का बेहतरीन स्रोत है, जो धमनियों में कैल्शियम को जमने से रोकता है।
- **परमेसन:** यह बहुत सख्त होता है और इसमें फास्फोरस की मात्रा अधिक होती है, जो दांतों के स्वास्थ्य के लिए उत्तम है।
- **स्विस चीज:** इसमें सोडियम बहुत कम होता है, इसलिए यह उन लोगों के लिए बेहतर है जो बीपी को लेकर सतर्क हैं।

'एक्स्ट्रा चीज' का काला पक्ष: स्वास्थ्य जोखिम

अत्यधिक चीज का सेवन शरीर के विभिन्न अंगों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है:

- **हृदय और धमनियों पर प्रहार:** चीज में 'सैचुरेटेड फैट' की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। यह फैट रक्त में एलडीएल (खराब कोलेस्ट्रॉल) को बढ़ाता है। जब हम पिज्जा या बर्गर के रूप में इसका सेवन करते हैं, तो 'मैदा + फैट' का कॉम्बिनेशन धमनियों में प्लाक (जमाव) पैदा करता है।
- **वजन और मेटाबॉलिज्म:** चीज कैलोरी-डेंस फूड है। मात्र 30 ग्राम चीज में लगभग 100-120 कैलोरी हो सकती है। 'चीज एडिक्शन' के कारण लोग अनजाने में दिन भर की जरूरत से ज्यादा कैलोरी ले लेते हैं, जिससे मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ता है।
- **सोडियम और उच्च रक्तचाप:** प्रोसेस्ड चीज में नमक की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। यह शरीर में वॉटर रिटेंशन (पानी का जमाव) पैदा करता है, जिससे दिल पर दबाव बढ़ता है और स्ट्रोक की संभावना बढ़ जाती है।

प्रोसेस्ड चीज बनाम नेचुरल चीज: एक बड़ा धोखा

अक्सर हम सुपरमार्केट से जो चीज स्लाइस या 'चीज स्प्रेड' खरीदते हैं, वे असली चीज नहीं होते। उन्हें 'प्रोसेस्ड चीज फूड' कहा जाता है।

- इनमें असली चीज की मात्रा मात्र 50-60% होती है।
- बाकी हिस्सा वेजिटेबल ऑयल, इमल्सीफायर, नमक, और कृत्रिम रंगों का होता है।
- ये शरीर में इन्फ्लेमेशन (सूजन) बढ़ाते हैं। हमेशा लेबल पर '100% नेचुरल चीज' या 'मेड फ्रॉम होल मिल्क' तलाशें।

चीज खाने का सही तरीका

अगर आप चीज के शौकीन हैं, तो इसे इस तरह खाएं कि यह नुकसान न करे:

- **मात्रा निर्धारित करें:** एक वयस्क के लिए प्रतिदिन 20-30 ग्राम चीज पर्याप्त है।
- **सही कॉम्बिनेशन:** चीज को सफेद ब्रेड या पास्ता के बजाय सेब, नाशपाती, अखरोट या ताजी सब्जियों के साथ खाएं। फल और सब्जियों का फाइबर चीज के फैट के अवशोषण को धीमा कर देता है।
- **समय का चुनाव:** चीज को रात के बजाय नाश्ते या दोपहर के भोजन में शामिल करना बेहतर है ताकि शरीर इसे पचाने के लिए सक्रिय रहे।

विवेकपूर्ण उपभोग ही समाधान है

चीज अपने आप में जहर नहीं है, बल्कि हमारा 'अनियंत्रित उपभोग' और 'गलत चयन' इसे खतरनाक बनाता है। यह प्रोटीन और कैल्शियम का एक उत्कृष्ट स्रोत हो सकता है, यदि इसे 'साइड डिश' की तरह इस्तेमाल किया जाए, न कि मुख्य भोजन की तरह।

स्वाद की क्षणिक खुशी के लिए अपनी धमनियों को जोखिम में न डालें। चीज का आनंद लें, लेकिन 'एक्स्ट्रा' की होड़ से बचें। याद रखें, एक स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा सुख है।

विशेष चेतावनी: किन्हें चीज से परहेज करना चाहिए...

डाइटीशियन डॉ. पूनम तिवारी के अनुसार, निम्नलिखित श्रेणियों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए...

- **किडनी के रोगी:** चीज में मौजूद फास्फोरस और सोडियम किडनी की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकते हैं।
- **लैक्टोज इंटॉलरेंट:** हालाँकि कुछ पुराने चीज में लैक्टोज कम होता है, लेकिन अधिकांश को गैस, ब्लोटिंग और दस्त की समस्या हो सकती है।
- माइग्रेन के मरीज: कुछ चीज (जैसे ब्लू चीज या चेडर) में 'टाइरामाइन' होता है, जो माइग्रेन के दर्द को ट्रिगर कर सकता है।
- **गर्भवती महिलाएं:** उन्हें 'सॉफ्ट चीज' या अनपाश्चुरीकृत चीज से बचना चाहिए क्योंकि इनमें लिस्टेरिया बैक्टीरिया होने का खतरा रहता है।

न्यूट्रिशन प्रोफाइल: क्या चीज वाकई 'सुपरफूड' है?

यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर और भारतीय स्वास्थ्य मानकों के अनुसार, चीज में मौजूद पोषक तत्वों का विश्लेषण इस प्रकार है...

पोषक तत्व	कार्य और लाभ
हाई-क्वालिटी प्रोटीन	मांसपेशियों की मरम्मत, सेल ग्रोथ और इम्यून सिस्टम को मजबूती देना।
कैल्शियम	हड्डियों के घनत्व (Bone Density) को बढ़ाना और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव।
विटामिन B12	लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण और नर्वस सिस्टम की सुरक्षा।
जिंक और विटामिन A	त्वचा की चमक और आंखों की रोशनी के लिए अनिवार्य।
विटामिन K2	यह हृदय स्वास्थ्य और हड्डियों में कैल्शियम के सही अवशोषण के लिए महत्वपूर्ण है।

मोटापा या सिर्फ 'वाटर वेट': आपके बढ़ते वजन का असली सच क्या है?

जब हम आईने के सामने खड़े होते हैं और अपना चेहरा फूला हुआ या पेट उभरा हुआ देखते हैं, तो हमारा पहला ख्याल मोटापा होता है। हम तुरंत जिम जाने या खाना छोड़ने की योजना बनाने लगते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रातों-रात या एक-दो दिन में बढ़ा हुआ वजन असल में फैट नहीं, बल्कि 'वाटर वेट' हो सकता है? मनुष्य का शरीर 60% पानी से बना है, लेकिन जब यह पानी जरूरत से ज्यादा जमा होने लगे, तो यह न केवल आपके लुक को खराब करता है, बल्कि शरीर के भीतर चल रही किसी गड़बड़ी का संकेत भी हो सकता है।

वाटर वेट क्या है?

वैज्ञानिक भाषा में इसे 'एडिमा' या 'फ्लूइड रिटेंशन' कहा जाता है। सरल शब्दों में, जब हमारा शरीर अपने ऊतकों के भीतर तरल पदार्थ को बाहर निकालने के बजाय उसे जमा करने लगता है, तो शरीर भारी महसूस होने लगता है।

बॉडी फैट और वाटर वेट में अंतर:

- **बॉडी फैट:** यह शरीर में ऊर्जा के संचय के कारण बढ़ता है। फैट सेल्स धीरे-धीरे विकसित होती हैं और उन्हें कम करने में हफ़्तों या महीनों की कड़ी मेहनत लगती है।
- **वाटर वेट:** यह अचानक बढ़ता है। अगर आज सुबह आपका वजन कल के मुकाबले 2 किलो ज्यादा है, तो निश्चित रूप से वह फैट नहीं, बल्कि वाटर वेट है। यह शरीर में नमक, हॉर्मोन्स और हाइड्रेशन के असंतुलन का परिणाम है।

नमक, स्ट्रेस, हॉर्मोन्स: वाटर वेट के 'विलेन'

- **नमक (सोडियम) का खेल :** नमक और पानी का गहरा रिश्ता है। नमक में मौजूद सोडियम शरीर में पानी के स्तर को नियंत्रित करता है। जब हम ज्यादा नमक या प्रोसेस्ड फूड (चिप्स, बर्गर, पिज्जा) खाते हैं, तो रक्त में सोडियम बढ़ जाता है। इसे बैलेंस करने के लिए शरीर तुरंत अतिरिक्त पानी खींच लेता है। यही कारण है कि बाहर का खाना खाने के अगले दिन शरीर भारी लगता है।
- **स्ट्रेस और कॉर्टिसोल हॉर्मोन :** तनाव के समय शरीर 'कॉर्टिसोल' रिलीज करता है। यह हॉर्मोन शरीर को 'इमरजेंसी' का संकेत देता है। मस्तिष्क को लगता है कि कोई संकट आने वाला है, इसलिए वह नमक और पानी को स्टोर करना शुरू कर देता है।
- **हॉर्मोनल बदलाव :** महिलाओं में पीरियड्स, प्रेग्नेंसी या मेनोपॉज के दौरान हॉर्मोन्स (जैसे प्रोजेस्टेरोन और एल्डोस्टेरॉन) में उतार-चढ़ाव होता है। ये हॉर्मोन्स किडनी को पानी रोकने का आदेश देते हैं, जिससे शरीर फूला हुआ महसूस होता है।

शरीर पानी क्यों जमा करता है? आदिम काल से जुड़ा रोचक सच

डॉ. अंकित बंसल के अनुसार, हमारे शरीर के काम करने का तरीका हजारों साल पुराना है। जब इंसान जंगलों में रहता था, तो भोजन और पानी की उपलब्धता अनिश्चित थी। शरीर ने खुद को बचाने के लिए एक 'सर्वाइवल मोड' विकसित किया। जब शरीर को पर्याप्त पानी नहीं मिलता (डिहाइड्रेशन), तो उसे लगता है कि बाहर सूखा पड़ा है। अपनी जान बचाने के लिए वह पहले से मौजूद पानी को कसकर पकड़ लेता है और उसे बाहर नहीं निकलने देता। यही कारण है कि पानी कम पीने से वाटर वेट बढ़ता है।

पहचान कैसे करें: क्या यह सच में वाटर वेट है?

इसे पहचानने के लिए कुछ आसान तरीके हैं:

- **पिटिंग टेस्ट:** अपने सूजे हुए हिस्से (जैसे पैर या हाथ) को अंगूठे से दबाएं। अगर छोड़ने पर वहां हल्का गड्ढा बन जाए और उसे भरने में कुछ सेकंड लगें, तो यह निश्चित रूप से वाटर वेट है।
- **अचानक वजन बढ़ना:** अगर 24 से 48 घंटों में वजन 1-3 किलो बढ़ गया है।
- **सूजन के लक्षण:** सुबह सोकर उठने पर आंखों के नीचे सूजन, अंगूठी का उंगली में फंसना या मोजे उतारने पर टखने पर गहरा निशान पड़ना।

वाटर वेट कम करने के अचूक उपाय

अगर आपका वजन वाटर वेट के कारण बढ़ा है, तो इसे कुछ ही दिनों में ठीक किया जा सकता है:

- **खूब पानी पिएं:** सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन जितना ज्यादा पानी पिएं, शरीर उतना ही कम पानी रोकेगा। जब शरीर को भरपूर पानी मिलेगा, तो वह 'सर्वाइवल मोड' से बाहर आ जाएगा।
- **नमक पर लगाम :** प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड से दूरी बनाएं। सेंधा नमक का सीमित प्रयोग करें।
- **पोटेशियम रिच डाइट :** केला, पालक, शकरकंद और एवोकैडो खाएं। पोटेशियम शरीर से अतिरिक्त सोडियम को पेशाब के जरिए बाहर निकालता है।
- **पसीना बहाएं:** हल्की एक्सरसाइज या वॉक से सर्कुलेशन बढ़ता है और पसीने के माध्यम से पानी बाहर निकलता है।
- **भरपूर नींद लें :** 7-8 घंटे की नींद हॉर्मोन्स को संतुलित करती है, जिससे किडनी अपना काम सही से कर पाती है।

कब यह किसी गंभीर बीमारी का संकेत है?

हर बार वाटर वेट सामान्य नहीं होता। डॉ. अंकित बंसल चेतावनी देते हैं कि अगर वाटर वेट के साथ निम्नलिखित लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें:

- **किडनी की समस्या:** अगर पेशाब कम आ रहा है और चेहरे पर लगातार सूजन है।
- **हार्ट फेलियर:** अगर सूजन के साथ सांस फूल रही है या लेटने पर घुटन महसूस हो रही है।
- **लिवर की खराबी:** अगर पेट के हिस्से में पानी जमा हो रहा है।
- **थायरॉइड:** अगर मेटाबॉलिज्म धीमा होने के कारण शरीर लगातार फूल रहा है।

जीवनशैली में बदलाव

वाटर वेट कोई स्थायी समस्या नहीं है, बल्कि यह आपकी आदतों का एक आईना है। अगर आपकी लाइफस्टाइल 'सिडेंटरी' (गतिहीन) है, आप घंटों एक जगह बैठकर काम करते हैं, तो ग्रेविटी के कारण पैरों में पानी जमा होने लगता है।

सिर और दाढ़ी पर अचानक बने 'गंजे पैच' को न करें नजरअंदाज

यह है एलोपेशिया का संकेत...

जब हम बालों के झड़ने की बात करते हैं, तो अक्सर हमारे दिमाग में उम्र का बढ़ना या खान-पान की कमी आती है। लेकिन क्या होगा अगर रातों-रात आपके सिर के किसी एक हिस्से से सारे बाल गायब हो जाएं और वहां सिक्के जैसा चिकना गोल पैच बन जाए? इसे मेडिकल साइंस में 'एलोपेशिया एरियाटा' कहा जाता है। यह कोई साधारण झड़ना नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी स्थिति है जहाँ आपका अपना शरीर ही आपके बालों का दुश्मन बन बैठता है।

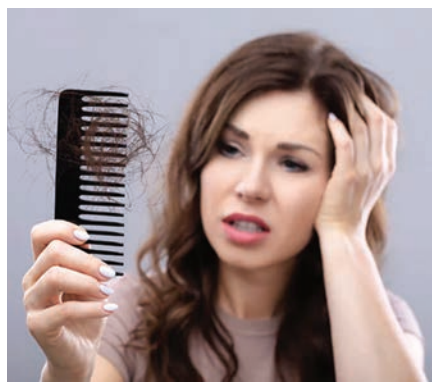

क्या है एलोपेशिया? जब शरीर की 'सुरक्षा' ही बन जाए 'सजा'

एलोपेशिया एक 'ऑटोइम्यून' बीमारी है। हमारे शरीर का इम्यून सिस्टम (रोग प्रतिरोधक क्षमता) हमें बीमारियों से बचाने के लिए बना है, लेकिन कभी-कभी यह भ्रमित हो जाता है। एलोपेशिया में, इम्यून सिस्टम गलती से बालों की जड़ों को बाहरी वायरस या बैक्टीरिया मान लेता है और उन पर हमला कर देता है। इस हमले के कारण बाल अपनी जगह छोड़ देते हैं और वहां गंजापन दिखाई देने लगता है। अच्छी बात यह है कि इसमें जड़ें पूरी तरह नष्ट नहीं होतीं, बस वे सो जाती हैं, जिन्हें सही इलाज से जगाया जा सकता है।

सामान्य गंजापन और एलोपेशिया: अंतर समझना है जरूरी

अक्सर लोग इसे सामान्य 'गंजापन' समझकर तेल या घरेलू नुस्खे आजमाने लगते हैं। लेकिन इन दोनों में जमीन-आसमान का फर्क है। सामान्य गंजापन धीरे-धीरे होता है, जिसमें बाल पहले पतले होते हैं और फिर हेयरलाइन पीछे खिसकने लगती है। यह मुख्य रूप से हॉर्मोन्स और जेनेटिक्स के कारण होता है। इसके विपरीत, एलोपेशिया अचानक होता है। इसमें बाल गुच्छों में गिरते हैं और सिर के किसी भी हिस्से में गोल पैच बन जाते हैं। सामान्य गंजेपन में बाल वापस आना मुश्किल होता है, लेकिन एलोपेशिया में रिकवरी की संभावना बहुत अधिक रहती है।

पहचान और शुरुआती लक्षण: शरीर के संकेतों को समझें

एलोपेशिया का सबसे पहला और स्पष्ट लक्षण है—सिक्के के आकार के गोल पैच। नहाते समय या कंघी करते समय बालों का अचानक गुच्छों में निकलना एक बड़ा अलार्म है। कुछ लोगों को पैच बनने से पहले उस हिस्से में खुजली, हल्की जलन या झुनझुनी महसूस हो सकती है। केवल सिर ही नहीं, यह बीमारी आपकी भौंहों, पलकों और पुरुषों में दाढ़ी-मूंछ के बालों को भी प्रभावित कर सकती है। यदि आपको अपने नाखूनों में छोटे-छोटे गड्ढे या खुरदरापन दिखे, तो यह भी एलोपेशिया का एक लक्षण हो सकता है।

ऑटोइम्यून का विज्ञान: आखिर क्यों होता है ऐसा?

डॉक्टरों के अनुसार, इसके पीछे कोई एक कारण नहीं है। यह जेनेटिक कारणों से हो सकता है, यानी अगर आपके परिवार में किसी को ऑटोइम्यून बीमारी (जैसे थायरॉइड या गठिया) रही है, तो आपको इसका खतरा ज्यादा है। इसके अलावा, अत्यधिक मानसिक तनाव (STRESS) इसका सबसे बड़ा ट्रिगर माना जाता है। जब हम तनाव में होते हैं, तो हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर या असंतुलित हो जाता है, जिससे यह बीमारी भड़क उठती है। साथ ही, शरीर में विटामिन-D और आयरन की भारी कमी भी इस स्थिति को गंभीर बना सकती है।

समाज में फैली भ्रांतियां और सच्चाई

समाज में अक्सर यह धारणा है कि एलोपेशिया 'छूने' से फैलता है या यह किसी संक्रमण का नतीजा है। 'राजधानी चौपाल' स्पष्ट करना चाहता है कि यह बिल्कुल गलत है। यह कोई संक्रामक बीमारी नहीं है। यह न तो साथ बैठने से फैलती है और न ही कंघी या कपड़े साझा करने से। यह व्यक्ति की आंतरिक रोग प्रतिरोधक क्षमता से जुड़ी समस्या है। इसके मरीजों के साथ सामाजिक भेदभाव करना न केवल गलत है, बल्कि यह उनके मानसिक तनाव को बढ़ाकर उनकी बीमारी को और गंभीर कर सकता है।

बच्चों और युवाओं पर भावनात्मक प्रभाव

एलोपेशिया अक्सर 10 से 20 साल की उम्र के युवाओं और यहाँ तक कि बच्चों को भी प्रभावित करता है। कम उम्र में बालों का जाना व्यक्ति के आत्मविश्वास को हिला देता है। स्कूल या कॉलेज जाने वाले छात्र हीन भावना का शिकार हो सकते हैं। इसलिए, ऐसे मामलों में केवल डर्मेटोलॉजिस्ट (त्वचा विशेषज्ञ) के पास जाना ही काफी नहीं है, बल्कि मरीज को परिवार के साथ और मानसिक सहयोग की भी जरूरत होती है। बच्चों के मामले में काउंसलिंग इलाज का एक अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए।

इलाज की राह: क्या बाल वापस आएंगे?

सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि क्या खोए हुए बाल वापस आ सकते हैं? जवाब है—हाँ। चूंकि हेयर फॉलिकल्स जीवित रहते हैं, इसलिए सही मेडिकल ट्रीटमेंट से बाल वापस उगाए जा सकते हैं। इलाज में आमतौर पर स्टेरॉइड इंजेक्शन, क्रीम या कुछ विशेष दवाएं दी जाती हैं जो इम्यून सिस्टम की प्रतिक्रिया को शांत करती हैं। हाल के वर्षों में 'इम्यूनोथेरेपी' और 'लेजर ट्रीटमेंट' भी काफी कारगर साबित हुए हैं। हालांकि, हर मरीज का रिस्पॉन्स अलग होता है, इसलिए डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवा न लें।

मेक्सिको में महायुद्ध! ड्रग माफिया 'एल मेंचो' का अंत, ट्रम्प की गर्जना और दहकता हुआ मेक्सिको

मेक्सिको सिटी/नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| अंतरराष्ट्रीय जगत से एक ऐसी खबर आई है जिसने दुनिया भर के ड्रग सिंडिकेट्स की चूलें हिला दी हैं। मेक्सिको की सेना ने एक खूनी संघर्ष के बाद दुनिया के सबसे खूंखार और बड़े ड्रग माफिया सरगना 'एल मेंचो' (नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वेंट्स) को मार गिराया है। यह केवल एक अपराधी का अंत नहीं है, बल्कि एक ऐसे साम्राज्य का पतन है जिसने अमेरिका और मेक्सिको की सरकारों को दशकों तक घुटनों पर रखा। लेकिन इस मौत के बाद मेक्सिको की सड़कों पर जो मंजर है, वह किसी गृहयुद्ध से कम नहीं है।

रविवार की सुबह जब दुनिया चैन की नींद सो रही थी, मेक्सिको की सेना तलपला शहर के एक गुप्त ठिकाने को चारों तरफ से घेर चुकी थी। 'जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल' के गुर्गे आधुनिक हथियारों से लैस थे। घंटों चली गोलीबारी के बाद एल मेंचो गंभीर रूप से घायल हो गया। सेना उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी के सुरक्षित बेस पर ले जाना चाहती थी, लेकिन रास्ते में ही इस 'मौत के सौदागर' की साँसें थम गईं। इस ऑपरेशन में मेंचो के 9 सबसे करीबी शूटर भी मारे गए हैं। यह मेक्सिकन सेना के लिए पिछले एक दशक की सबसे बड़ी जीत मानी जा रही है।

एल मेंचो की मौत के पीछे केवल मेक्सिकन सेना की गोलियां नहीं, बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का कड़ा राजनैतिक दबाव भी है। ट्रम्प ने पिछले कुछ समय से मेक्सिको की सरकार को खुली चेतावनी दे रखी थी कि यदि उन्होंने ड्रग कार्टेल्स पर लगाम नहीं लगाई, तो अमेरिकी सेना मेक्सिको की सीमा में घुसकर कार्रवाई करेगी।

ट्रम्प ने हाल ही में इन कार्टेल्स को 'विदेशी आतंकवादी संगठन' घोषित किया था। अमेरिका के लिए एल मेंचो 'दुश्मन नंबर एक' था, क्योंकि उसका कार्टेल अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 'फेंटानिल' जैसी सिंथेटिक ड्रग्स की सप्लाई कर रहा था, जिससे हर साल लाखों अमेरिकी युवाओं की मौत हो रही है। मेंचो के सिर पर 136 करोड़ रुपए का इनाम था।

क्या हमें भी ऐसी ही सख्ती की जरूरत है?

मेक्सिको की यह घटना भारत, विशेषकर हरियाणा और पंजाब के लिए एक बड़ा सबक है। जब नशे के सौदागर इतने शक्तिशाली हो जाएं कि वे सरकार को चुनौती देने लगें, तो उन्हें खत्म करने के लिए इसी तरह की सैन्य दृढ़ता की आवश्यकता होती है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि मेंचो की मौत के बाद अब सत्ता का संघर्ष शुरू होगा। जलिस्को कार्टेल के भीतर कई छोटे गुट अब नेतृत्व के लिए आपस में भिड़ेंगे। यह स्थिति मेक्सिको के लिए और भी खतरनाक हो सकती है क्योंकि यह 'गैंग वॉर' अब रिहायशी इलाकों तक पहुँचने लगी है। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लॉडिया शीनबॉम के लिए यह बड़ी परीक्षा की घड़ी है। एक तरफ उन्हें ट्रम्प के दबाव में संप्रभुता बचानी है, तो दूसरी तरफ देश को इस गृहयुद्ध जैसी स्थिति से बाहर निकालना है।

हिंसा की आग में जलता मेक्सिको: एयरपोर्ट से मॉल तक तबाही

मेंचो की मौत की खबर फैलते ही उसके समर्थकों और कार्टेल के गुर्गों ने पूरे देश को बंधक बना लिया है। मेक्सिको के कई शहरों में हिंसा भड़क उठी है।

- **एयरपोर्ट और मॉल पर कब्जा:** हथियारबंद अपराधियों ने प्रमुख एयरपोर्ट्स और मॉल्स में आग लगा दी है।
- **हाईवे पर नाकेबंदी:** सैकड़ों गाड़ियों को बीच सड़क पर जलाकर हाईवे जाम कर दिए गए हैं ताकि सेना की आवाजाही रोकी जा सके।
- **आतंक का साया:** स्थानीय लोग घरों में कैद हैं और सरकार ने कई प्रांतों में रेड अलर्ट जारी कर दिया है।

कौन था एल मेंचो और क्यों था इतना शक्तिशाली?

2009 में बने जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल को मेंचो ने अपनी क्रूरता के दम पर दुनिया का सबसे अमीर ड्रग नेटवर्क बनाया। यह संगठन सिर्फ नशा नहीं बेचता था, बल्कि मेक्सिको के कई हिस्सों में 'समानांतर सरकार' चलाता था। स्थानीय व्यापारियों से 'टैक्स' वसूलना, पुलिस अधिकारियों की हत्या करना और राजनेताओं को अपनी उंगलियों पर नचाना मेंचो का रोज का काम था।

हिमालय पर संकटः 3000 मीटर की ऊंचाई तक पहुंची 'वनाग्नि', दुर्लभ जड़ी-बूटियां खतरे में

देहरादून (राजधानी चौपाल)| उत्तराखंड के पहाड़ों से एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई है जिसने वैज्ञानिकों और पर्यावरण प्रेमियों की नींद उड़ा दी है। कभी नमी और ठंडक के लिए जाने जाने वाले हिमालय के ऊँचे शिखर आज आग की लपटों से जूझ रहे हैं।

जीबी पंत संस्थान और आईआईटी मुंबई के शोध ने खुलासा किया है कि वनाग्नि अब 3500 मीटर की ऊँचाई तक पहुँच चुकी है, जो कि एक अभूतपूर्व और डरावनी घटना है।

चीड़ बेल्ट से आगे बढ़ी आग की तबाही : पर्यावरण वैज्ञानिक संदीपन मुखर्जी के अनुसार, वनाग्नि आमतौर पर 800 से 2000 मीटर के बीच चीड़ के जंगलों तक ही सीमित रहती थी। लेकिन इस साल विंटर ड्राई स्पेल (सर्दियों में बारिश की कमी) के कारण आग ने ओक, सीडर और दुर्लभ अल्पाइन घास के मैदानों (बुग्यालों) को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व जैसे सुरक्षित क्षेत्रों में आग दिखना कुदरत का अंतिम अलार्म है।

समय से पहले भड़की आगः वन विभाग अलर्ट : आधिकारिक तौर पर फायर सीजन 15 फरवरी से शुरू होता है, लेकिन इस बार सीजन की शुरुआत से पहले ही 58 बार आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं, जिसमें 42 हेक्टेयर जंगल खाक हो चुका है। वन विभाग ने बचाव के लिए 1438 क्रू स्टेशन स्थापित किए हैं और फायर वॉचरों की तैनाती बढ़ा दी है।

पहाड़ की अर्थव्यवस्था और जैव विविधता पर प्रहार

पूर्व वनाधिकारी मदन सिंह बिष्ट ने आगाह किया है कि 3000 मीटर से ऊपर का क्षेत्र हिमालय का सुरक्षा कवच है। यहाँ आग लगने का अर्थ है:

- **दुर्लभ जड़ी-बूटियों का विनाशः** कीड़ा जड़ी, जटामासी, कुटकी और अतीसा जैसी बेशकीमती वनस्पतियां जलकर राख हो रही हैं।
- **ग्लेशियरों पर संकटः** आग की गर्मी और राख ग्लेशियरों के पिघलने की गति को बढ़ा सकती है।
- **अर्थव्यवस्था को चोटः** पहाड़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था इन जड़ी-बूटियों और बुग्यालों पर टिकी है, जो अब खतरे में है।

तेजस विमान का ब्रेक फेल, रनवे से आगे निकला:लैंडिंग के दौरान हादसा, पायलट सुरक्षित

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| इंडियन एयर फोर्स (IAF) का हल्का लड़ाकू विमान तेजस लैंडिंग के दौरान रनवे से आगे निकल गया। शुरुआती जांच में ब्रेक फेल होने की आशंका जताई जा रही है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि घटना 7 फरवरी की है। जानकारी अब सामने आई है।

विमान ट्रेनिंग उड़ान के बाद एयरबेस पर लौट रहा था। लैंड करते ही पायलट ने ब्रेक लगाने की कोशिश की। जब ब्रेक नहीं लगा तो विमान रनवे से बाहर निकल गया। दुर्घटना से पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया। विमान को नुकसान पहुंचा है। हादसा किस एयरबेस पर हुआ, ये जानकारी सामने नहीं आई।सूत्रों ने बताया कि इस घटना के बाद, एयरफोर्स ने करीब 30 सिंगल-सीट तेजस जेट के पूरे बेड़े को टेक्निकल जांच के लिए ग्राउंड कर दिया। यानी जांच पूरी होने तक विमान उड़ान नहीं भरेंगे। हादसे पर IAF की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। तेजस जेट से जुड़ा यह तीसरा हादसा है। पहला हादसा मार्च 2024 में हुआ था, जब जैसलमेर के पास एक तेजस जेट क्रैश हो गया था। दूसरा हादसा नवंबर 2025 में हुआ था जब दुबई एयरशो में एरियल डिस्प्ले के दौरान एक तेजस जेट क्रैश हो गया था।

देश की सबसे तेज मेरठ मेट्रो का शुभारंभ... 23 किमी में 13 स्टेशन, अधिकतम गति 120 किमी

नमो भारत ट्रेन और मेट्रो एक ही ट्रैक पर दौड़ेंगी, पीएम मोदी ने उद्घाटन किया

मेरठ (राजधानी चौपाल)| प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 82 किमी लंबे दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल के शेष हिस्सों का उद्घाटन किया। अब दिल्ली से मेरठ की दूरी महज 55 मिनट में पूरी हो सकेगी। पीएम ने 23 किमी लंबे मेरठ मेट्रो का भी शुभारंभ किया। यह देश की सबसे तेज मेट्रो सेवा है। ये दोनों सेवाएं रविवार शाम से शुरू हो गईं। मेरठ मेट्रो की अधिकतम गति करीब 120 किमी/घंटा है और यह 23 किमी का अपना पूरा रूट करीब 30 मिनट में कवर करेगी। 23 किमी में किमी में कुल 13 स्टेशन होंगे। यह पहली बार है जब नमो भारत ट्रेन और मेट्रो एक ही ट्रैक पर दौड़ेंगी। मेट्रो और रैपिड रेल के बीच इंटरचेंज की सुविधा मिलेगी।

कांग्रेस ने एआई समिट को गंदी राजनीति का अखाड़ा बनाया:पीएम नरेंद्र मोदी ने मेरठ में एक जनसभा को भी संबोधित किया। उन्होंने दिल्ली में हुई एआई समिट में कांग्रेस के शर्टलेस प्रदर्शन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा- 'विदेशी मेहमानों के सामने कांग्रेस नेता कपड़े उतारकर वहां पहुंचे। पार्टी ने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को अपनी 'गंदी और नंगी' राजनीति का अखाड़ा बना दिया।'

सहयोगी दलों की दूरी: पीएम ने कहा कि कांग्रेस के सहयोगी दलों ने उससे दूरी बना ली है। तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके), बसपा और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस जैसे दल इस विरोध में शामिल नहीं थे।

परिवार के साथ यादगार सफर : पहले दिन सफर करने वालों में खास उत्साह दिखा। लोगों का कहना था कि यह दिन उनके लिए यादगार बन गया है, क्योंकि उन्होंने उद्घाटन के दिन ही मेट्रो का अनुभव लिया। कई लोग एक बार सफर करने के बाद दोबारा लाइन में लगकर फिर मेट्रो में बैठे। बच्चे भी खास उत्साहित नजर आए।

आस्था का सैलाब: हुबली में श्री सिद्धारूढ़ स्वामी जात्रा महोत्सव की धूम

हुबली (कर्नाटक)| महाशिवरात्रि के पावन पर्व के बाद हुबली का आकाश 'ओम नमः शिवाय' और 'हर हर महादेव' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। सुप्रसिद्ध श्री सिद्धारूढ़ स्वामी मठ में वार्षिक 'जात्रा महोत्सव' का आयोजन किया गया, जिसमें दक्षिण भारत के कोने-कोने से एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

- **भव्य रथ यात्राः** उत्सव का मुख्य आकर्षण लकड़ी से बना विशाल और नक्काशीदार रथ था। परंपरा के अनुसार, रथ पर अज्जा स्वामी की पालकी को विराजमान कर जुलूस निकाला गया। भक्तों ने लंबी कतारों में लगकर रथ खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया।
- **हवाई पुष्प वर्षाः** इस वर्ष जात्रा महोत्सव का दृश्य और भी विहंगम हो गया जब रथ के ऊपर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। इस अलौकिक दृश्य ने श्रद्धालुओं के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया।
- **सांस्कृतिक संगमः** महोत्सव में केवल कर्नाटक ही नहीं, बल्कि केरल, तेलंगाना, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के भक्तों ने भी अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक निष्ठा का परिचय दिया।
- **मठ की विरासत :** सिद्धारूढ़ मठ सदियों से अद्वैत दर्शन का प्रचारक रहा है। यहाँ जाति-पाति से ऊपर उठकर मानवता और ज्ञान की सेवा की जाती है। जात्रा महोत्सव इसी दर्शन और एकता का जीवंत उदाहरण है।

बेंगलुरुः काडु मल्लेश्वर स्वामी का 'ब्रह्म रथोत्सव'

राजधानी बेंगलुरु में भी महाशिवरात्रि का उत्साह अगले दिन जारी रहा। मल्लेश्वरम स्थित ऐतिहासिक काडु मल्लेश्वर स्वामी मंदिर में भव्य रथोत्सव निकाला गया। सजे-धजे लकड़ी के रथ पर भगवान की प्रतिमा को विराजमान कर गलियों में शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहुल कुमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)